R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

वर्ष-22 अंक- 110
पृष्ठ 8
बुधवार
07 जनवरी 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्या आपके हाथ-पैर भी सर्दी आते...
विचार- अटूट आस्था के 1000 वर्ष
खेल- जब दाऊद से भी नहीं डरे थे कपिल...

मनरेगा बनाम वीबी-जी रामजी पर बोले सीएम,कहा-

पहले डाका डाला गया,अब बनेगा मील का पत्थर

लखनऊ,संवाददाता। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीबी जीरामजी को लेकर बड़ा दावा किया है। लखनऊ में आज मंगलवार को लोकभवन में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्ष इस अधिनियम पर सवाल उठा रहा है, क्योंकि अपने कारनामे का समर्थन कर रहे हैं। मनरेगा के नाम पर पहले संसाधनों पर डाका डाला गया, लेकिन अब संशोधन से योजना विकसित भारत की आध ाारशिला और मील का पत्थर साबित होगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने देश की आधारभूत इकाई, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं ताकि विकसित भारत की अवधारणा आगे बढ़ाई जा सके। शविकसित भारत– रोजगार व आजीविका गारंटी मिशन– ग्रामीण 2025 पारित हो गया है। वह लोग जिन्होंने लंबे समय तक देश के संसाधनों को लूटा है, देश के गरीबों को भूखा रहने, पलायन करने और बेरोजगारी का सामना करने पर मजबूर किया है, ऐसे सुधारों का समर्थन करने की बजाय उनका इंडी गठबंधन महत्वपूर्ण कानून को लेकर सवाल उठा रहा है, जबकि देश, किसानों, मजदूरों और गांवों के विकास के हित में उठाए गए कदमों का समर्थन किया जाना चाहिए लेकिन एनडीए का आभार व्यक्त करने के बजाय इंडी गठबंधन भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की अपनी पुरानी परंपराओं का समर्थन कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में स्थाई इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार सृजन के लिए नया अधिनयम लाया गया है। यह एक्ट भारत के ग्रामीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा।सीएम ने कहा कि विकसित भारत जी राम जी कानून 2025 एक महत्वपूर्ण अध् िनयम है। यह विकसित भारत की आधार शिला बनेगा, जब गांव विकसित होंगे, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सक्षम बनाएंगे। यह कानून जरूरी था। जिस मनरेगा की चर्चा आज ढोल पीट रहे हैं, उसकी विफलताओं की चर्चा करना चाहिए। फर्जी जॉब कार्ड, फर्जी हाजिरी और भुगतान में कटौती की शिकायत हर जगह से आती थी।मजदूरी में देरी होती थी। किसानों को खेती के समय मजदूर नहीं मिलते थे।जब श्रमिक को काम की जरूरत होती थी तब काम नहीं मिलता था।मनरेगा पूरी तरह विफल रही।रोजगार की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन काम मिलेगा। साप्ताहिक भुगतान होगा। काम नहीं देने पर भत्ता देना होगा। बुआई और कटाई के समय 60 दिन का विराम होगा। किसान और मजदूर के हित सुरक्षित रहेगा।उन्होंने कहा कि प्रतिकूल मौसम में आपदा प्रबंधन पर भी काम होगा। तकनीकी को कानूनी अधिकार, डिजीटल भुगतान, बायोमीट्रिक उपस्थिति, जियो टैगिंग होगा।एआई टूल्स का निर्माण होगा. फर्जी नाम पर पैसा उठाने का खेल खत्म होगा। केंद्र और राज्य की साझेदारी 60रू40 की होगी। कुल आवंटन में वृद्धि कर के 17 हजार करोड़ रुपए अधिक ध ान राशि प्राप्त होगी। जहां श्रमिक कम था वहां भुगतान अधिक होता था मगर अब ऐसा नहीं होगा। अब जहां श्रमिक ज्यादा होंगे वहां अधिक बजट आवंटन होगा।सीएम ने कहा कि यूपी में 58 हजार गांव हैं और एक लाख से अधिक राजस्व ग्राम हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण पर सीएक्यूएम को लगाई फटकार, कहा-

कर्तव्य निभाने में रहे असफल

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली–एनसीआर में वायु प्रदूषण से संबंधित याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को कर्तव्य निभाने में असफल रहने पर फटकार लगाई है। वहीं सीएक्यूएम की दिल्ली की सीमाओं पर मौजूद टोल प्लाजा को हटाने या अस्थायी रूप से बंद करने की मांग को ठुकरा दिया है। मंगलवार को शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) दिल्ली बॉर्डर पर टोल प्लाजा को अस्थायी रूप से बंद करने या हटाने के मुद्दे पर 2 महीने का समय मांगा था। जिस पर फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को ठुकरा दिया और कहा कि आयोग अपना कर्तव्य निभाने में असफल रहा है। वहीं अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को चरणबद्ध तरीके से लंबे समय के समाधानों पर विचार करना शुरू करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने आयोग को निर्देश दिए हैं कि वह विभिन्न हितधारक के रुख से प्रभावित हुए बिना टोल प्लाजा के मुद्दे पर विचार करेगा। इसी के साथ दो हफ्ते में विशेषज्ञों की बैठक बुलाने और बढ़ते प्रदूषण के मुख्य कारणों पर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जॉयमाल्य बागची की पीठ ने आयोग को दो हफ्ते में एक्सपर्ट्स की एक मीटिंग बुलाने और बढ़ते प्रदूषण के मुख्य कारणों पर एक रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सख्त लहजे में पूछा कि क्या आप प्रदूषण के कारणों की पहचान कर पाए हैं? इन सभी दिनों में बहुत सारा मटेरियल पब्लिक डोमेन में आ रहा है, एक्सपर्ट्स आर्टिकल लिख रहे हैं, लोगों की राय है, वे हमें मेल पर भेजते रहते हैं। पीठ ने आगे कहा कि भारी वाहन इसमें (वायु प्रदूषण) बड़ा योगदान दे रहे हैं।

थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर दीप जलाने के फैसले पर बोली भाजपा, बताई श्रद्धालुओं की जीत

नई दिल्ली,एजेंसी। तमिलनाडु के मदुरै में थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित दीपथून में दीपम जलाने के मामले को लेकर मद्रास हाईकोर्ट ने एकल न्यायाधीश के फैसले को बरकरार रखा है। अब फैसले पर संतोष व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने तमिलनाडु सरकार पर सनातन धर्म का अपमान करने, उपहास करने और उस पर हमला करने का आरोप लगाया है। दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोयल ने कहा कि तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर 2023 में सनातन धर्म को खत्म करने की एक दुस्साहसी और निंदनीय मांग रखी थी। उन्होंने आगे कहा कि कुछ महीनों बाद भगवान कार्तिकेय और भगवान मुरुगन से जुड़े तिरुपरनकुंड्रम पर्वत पर दीपक जलाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। उन्होंने कहा, श्यह महज एक संयोग नहीं है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, उनके बेटे उदयनिध ि स्टालिन और डीएमके के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने लगातार सनातन धर्म की निंदा, उपहास और उस पर हमले किए हैं।

तुम 4 नहीं 8 बच्चे पैदा करो, कौन रोक रहा है- असदुद्दीन ओवैसी

अकोला,एजेंसी। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा नेता नवनीत राणा के एक बयान पर निशाना साध ाा। नवनीत राणा ने कहा था कि देश की जनसांख्यिकीय संरचना पाकिस्तान जैसी न हो जाए, इसलिए उन्हें चार बच्चे पैदा करने चाहिए। ओवैसी ने राणा का नाम लिए बिना कहा कि मेरे छह बच्चे हैं और तुम 4 नहीं, आठ बच्चे पैदा करो। कौन रोक रहा है? महाराष्ट्र के अकोला में एक रैली को संबोध ित करते हुए ओवैसी ने कहा, मेरे छह बच्चे हैं और मेरी दाढ़ी सफेद हो रही है। किसी ने कहा था कि चार बच्चे होने चाहिए। चार ही क्यों? आठ बच्चे पैदा करो, कौन रोक रहा है? रैली में असदुद्दीन ओवैसी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के भी बयान का जिक्र किया। दरअसल, टीडीपी भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का हिस्सा है और चंद्रबाबू नायडू ने भी ज्यादा बच्चे पैदा करने का बयान दिया था। उन्होंने कहा, शकिसी ने बयान दिया कि मौलाना ने 19 बच्चे पैदा किए। कोई कह रहा है कि चार बच्चे पैदा करो। सभी लोग कह रहे हैं कि और बच्चे पैदा करो। तुम क्यों पैदा नहीं कर रहे? मैं तुम्हें चुनौती देता हूं कि तुम 20 बच्चे पैदा करो। यह कैसा मजाक है? नवनीत राणा ने कहा था, श्कुछ लोगों की कई पत्नियां और कई बच्चे होते हैं, जिससे उनकी जनसंख्या बढ़ती रहती है। इससे निपटने के लिए उन्होंने हिंदुओं से भारत की रक्षा के लिए कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। भाजपा नेता ने कहा, मैं सभी हिंदुओं से अपील करती हूं। सुनिए, ये लोग खुलेआम कहते हैं कि उनकी चार पत्नियां और 19 बच्चे हैं। मेरा सुझाव है कि हमें कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए। नवनीत राणा ने कहा, श्मुझे नहीं पता कि वह मौलाना हैं या कोई और, लेकिन उन्होंने कहा कि उनके 19 बच्चे और चार पत्नियां हैं, लेकिन वे 30 बच्चों की संख्या पूरी नहीं कर पाए। वे बड़ी संख्या में बच्चे पैदा करके हिंदुस्तान को पाकिस्तान में बदलना चाहते हैं।

ममता बनर्जी ने लगाया गंभीर आरोप,कहा-

एसआईआर करा रहा चुनाव आयोग

गंगानगर (पश्चिम बंगाल),एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोग राज्य में एसआईआर अभ्यास को कराने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल के बनाए मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहा है। मुख्यमंत्री बनर्जी दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में गंगासागर मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए दो दिन की यात्रा पूरी करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने कहा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चुनाव आयोग श्हर तरह के गलत तरीकेश अपना रहा है। उन्होंने कंहा, एसआईआर कराने के लिए चुनाव आयोग हर तरह के गलत कदम उठा रहा है। वह योग्य मतदाताओं को मृत घोषित कर रहा है और बुजुर्ग, बीमार और असहाय लोगों को सुनवाई में आने के लिए मजबूर कर रहा है। वह इस काम के लिए भाजपा के आईटी सेल के बनाए मोबाइल एप का इस्तेमाल कर रहा है। यह अवैध ा, असांविधानिक और अलोकतांत्रिक है। ऐसे नहीं चल सकता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो की ओर से यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब उनकी पार्टी के सांसद डेरेक ओश्ब्रायन ने चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर को कराने के लिए आयोग ने मनमाने और प्रकिया के खिलाफ कदम उठाए हैं।

चुनाव आयोग अभिषेक बनर्जी ने साधा निशाना

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया कि नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सुनवाई के लिए नोटिस भेजकर चुनाव आयोग बंगाल के नागरिकों को निशाना बना रहा है।

अगला मेयर भारतीय, महाराष्ट्रीयन और मुंबईकर होगा–सीएम फडणवीस

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र की सियासत में नगर निकाय चुनावों से पहले ध्रुवीकरण पर बहस तेज हो गई है। इसी बीच महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने साफ कहा कि मुंबई का अगला मेयर भारतीय, महाराष्ट्रीयन और मुंबईकर होगा। उनका यह बयान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की हिंदू–मराठी मेयर संबंध ी टिप्पणी पर परोक्ष लेकिन तीखा जवाब माना जा रहा है। कांग्रेस ने विकास को केंद्र में रखने की बात दोहराई है। नागपुर में कांग्रेस नेताओं के साथ पार्टी का नगर निगम चुनाव घोषणापत्र जारी करते हुए सपकाल ने कहा कि भाषा और पहचान के नाम पर मेयर पद को बांटने की कोशिशें देश की विविधता में एकता की भावना को कमजोर करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास की चर्चा से ध्यान हटाने के लिए ऐसे नारे उछाले जा रहे हैं। सपकाल ने कहा कि कांग्रेस का रुख साफ है। मुंबई का मेयर किसी एक भाषा का नहीं, बल्कि पूरे शहर और देश का प्रतिनिधि होगा।

सोनिया गांधी को कोर्ट से मिली मोहलत

नागरिकता से पहले वोट केस मामले में देना है जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को एक याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए 7 फरवरी तक का समय दिया है। यह याचिका एक मजिस्ट्रेट के उस आदेश को चुनौती देती है जिसमें 1983 में भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से तीन साल पहले उन्हें मतदाता सूची में शामिल करने के आरोप की जांच करने से इनकार कर दिया गया था। यह मामला 9 दिसंबर को न्यायाधीश गोगाने द्वारा सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करने के बाद सामने आया था, जिसमें उनसे जवाब मांगा गया था। मंगलवार को जब मामले की सुनवाई हुई, तो सोनिया गांधी के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए अधिक समय मांगा, जिसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 7 फरवरी तय की। यह याचिका वकील विकास त्रिपाठी द्वारा दायर की गई थी, जो राउज एवेन्यू कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष हैं। 11 सितंबर के मजिस्ट्रेट आदेश में उनकी शिकायत खारिज कर दी गई थी। अदालत ने कहा था कि शिकायत इस तरह से तैयार की गई थी कि वह कानूनी रूप से अस्थिर, सार में अपर्याप्त और इस मंच के अधिकार क्षेत्र से परे आरोपों के माध्यम से अदालत को अधिकार क्षेत्र प्रदान करने के उद्देश्य से थी।

त्रिपाठी के वकील, वरिष्ठ अध िवक्ता पवन नरंग ने मजिस्ट्रेट अदालत में आरोप लगाया था कि जनवरी 1980 में सोनिया गांधी का नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता के रूप में जोड़ा गया था, जब वह भारतीय नागरिक नहीं थीं। उन्होंने कुछ जालसाजी और एक सार्वजनिक प्राधिकारी को धोखा देने का दावा किया था।

परीक्षार्थियों के लिए हेल्प डेस्क शुरू, समस्याओं का मिलेगा समाधान

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि हेल्प डेस्क के माध्यम से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के परीक्षार्थियों को प्रयोगात्मक परीक्षाओं के साथ लिखित परीक्षाओं से संबंधित हर प्रकार की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए मोबाइल नंबर और ई–मेल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद ने सोमवार से हेल्प डेस्क सेवा शुरू कर दी है। यह व्यवस्था बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज समेत प्रदेश के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में लागू की गई है ताकि छात्र–छात्राएं लिखित व प्रयोगात्मक परीक्षाओं से जुड़ी समस्याओं, विषयगत शंकाओं, परीक्षा भय, तनाव और जिज्ञासाओं का समय पर समाधान प्राप्त कर सकें। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि हेल्प डेस्क के माध्यम से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के परीक्षार्थियों को प्रयोगात्मक परीक्षाओं के साथ लिखित परीक्षाओं से संबंधित हर प्रकार की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए मोबाइल नंबर और ई–मेल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि मेरठ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ–साथ यूपी बोर्ड निदेशालय में भी हेल्प डेस्क स्थापित की गई है जहां विशेषज्ञ छात्र–छात्राओं की समस्याओं का समाधान करेंगे। बोर्ड अधिकारियों ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की शंका, समस्या या तनाव की स्थिति में हेल्प डेस्क से संपर्क कर समय रहते जानकारी प्राप्त करें ताकि परीक्षा की तैयारी बिना किसी दबाव के कर सकें।

दो प्रतिशत विद्यालयों का होगा रैंडम ऑडिट

सचिव भगवती सिंह ने बताया कि प्रयोगात्मक परीक्षाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड द्वारा लगभग दो प्रतिशत विद्यालयों का रैंडम ऑडिट भी कराया जाएगा।

दो चरणों में होंगी प्रयोगात्मक परीक्षाएं

प्रथम चरण (24 जनवरी से एक फरवरी)

आगरा, सहारनपुर, बरेली, लखनऊ, अयोध्या, आजमगढ़, देवीपाटन, बस्ती मंडल।

द्वितीय चरण (दो फरवरी से नौ फरवरी)

अलीगढ़, मेरठ, मुरादाबाद, कानपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, गोरखपुर मंडल।

भीषण सर्दी...फिर आया ये नया आदेश, 8वीं तक के स्कूल अब इतने दिन तक रहेंगे बंद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में भीषण सर्दी का दौर जारी है। सर्दी ने सोमवार को बीते 12 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यहां न्यूनतम तापमान लुढ़क कर 2.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे तक इसी तरह की ठंड रहने की चेतावनी दी है।

प्रयागराज में बढ़ती सर्दी, शीतलहर और घने कोहरे को देखते हुए जिले में आठवीं तक के स्कूल 15 तक जनवरी तक बंद रहेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) पीएन सिंह ने इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी किया।

इस दौरान शिक्षक व अन्य स्टाफ विद्यालय व कार्यालय में उपस्थित होकर आवंटित दायित्वों का निर्वहन करेंगे। डीआईओएस ने सभी बोर्ड के प्रधानाचार्यों को इस आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सीएम का आदेश ताक पर रखकर झूंसी में खुले रहे इंटरमीडिएट कॉलेज

उधर, भीषण शीतलहरी के कारण सूबे के सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश भर के सभी इंटरमीडिएट तक के स्कूल और कॉलेजों को पांच जनवरी तक बंद करने का आदेश दिया था। अब कक्षा एक से आठ तक के स्कूल 15 जनवरी तक बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

इसके बावजूद झूंसी में कई ऐसे इंटरमीडिएट कॉलेज हैं जो सीएम योगी आदित्यनाथ के आदेश को भी ताॅक पर रखकर लगातार स्कूल का संचालन कर रहे हैं। झूंसी की आवास विकास कालोनी योजना तीन के सेक्टर चार स्थित यूडी इंटरमीडिएट कॉलेज पिछले दिनों सीएम द्वारा स्कूल बंद किए जाने आदेश दिए जाने के बावजूद लगातार संचालित होता रहा।

सोमवार को भी स्कूल परिसर में छात्र–छात्राएं आए। कॉलेज का संचालन भी अन्य दिनों की तरह ही हुआ। इस बारे में कॉलेज के प्रबंधक संजय मौर्य का कहना था कि केवल खेलकूद के लिए विद्यालय खोला गया है।

इस बारे में सह जिला विद्यालय निरीक्षण जीतेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि सीएम के आदेश के बावजूद अगर कॉलेज खोला जा रहा है तो प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रविवार की रात नए साल की सबसे सर्द रही। पहाड़ों से आ रहीं सर्द पछुआ हवाओं के जोर से न्यूनतम पारा करीब छह डिग्री कम होकर 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन का अधिकतम पारा 24 घंटे बाद भी 15.8 डिग्री सेल्सियस पर अटका रहा।

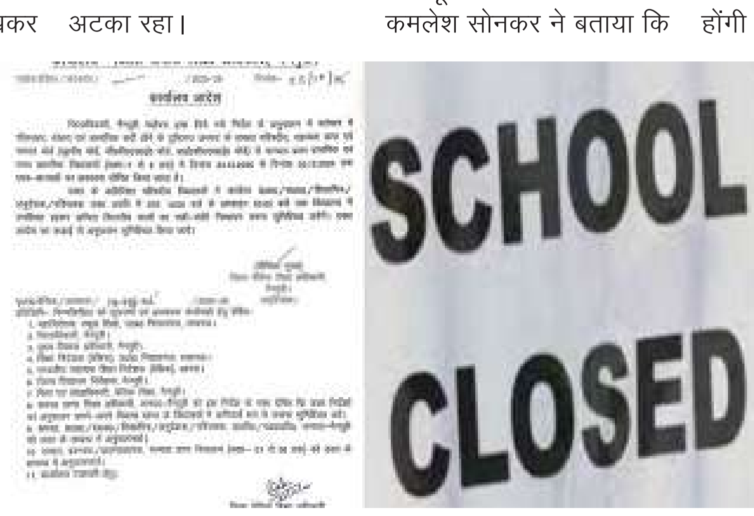

सोमवार को दिनभर गलनभरी सर्दी से लोग ठिठुरते रहे। दोपहर बाद निकली धूप कमजोर रही। मौसम विज्ञानी इविवि के डॉ.शैलेंद्र राय के मुताबिक दिन में पछुआ हवाओं ने गलन बढ़ा दी। मंगलवार को धूप खिलने के आसार हैं। अगले पांच दिन गलन वाली सर्दी के आसार हैं।

ठंडे पानी से स्नान करने से बचें

एसआरएन अस्पताल में नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ डॉ. राम सिया सिंह के मुताबिक इस मौसम में ठंडे पेय पदार्थों से ही नहीं, ठंडे पानी से स्नान करने से भी बचना चाहिए। दोनों स्थितियां शरीर या गले पर भारी पड़ सकती हैं।

न्यूरो फिजीशियन डॉ. कमलेश सोनकर ने बताया कि शुगर और बीपी पीड़ित मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। समय पर दवा खाने और सर्दी से बचाव के पूरे इंतजाम करने की जरूरत है।

ऊनी कपड़ों का बाजार गर्म

ऊनी कपड़ों का बाजार गर्म हो गया है। सिविल लाइंस, चौक, कटरा, सुलेमसराय, नैनी, झुंसी और फाफामऊ समेत गली–मोहल्लों की दुकानों पर इस वक्त स्वेटर, जैकेट, टोपी, मफलर, दस्तानों की मांग हैं। थोक बाजार में थर्मल वियर का स्टाक दोबारा मंगाया गया है। वहीं, पीडी पार्क के दोनों छोर तक स्वेटर, जैकेट आदि कपड़ों की खरीदारी करने के लिए सुबह से शाम तक भीड़ जुटी रही।

प्रदेश में गलन के साथ रातें होंगी और सर्द, इटावा में रात का पारा 2.4 डिग्री

उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड का प्रकोप लगातार जारी है। सर्द पछुआ हवाओं ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है। करीब 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही ठंडी पछुआ हवा के कारण गलन का असर तेज हो गया है। आने वाले दिनों में रात के तापमान में और गिरावट देखने को मिल सकती है, जिससे रातें और ज्यादा सर्द होंगी।

मौसम विभाग की ओर से मंगलवार के लिए देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर और बलरामपुर जिलों के लिए घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

तापमान की बात करें तो इटावा में सोमवार को प्रदेश का सबसे कम न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यहां सर्दी ने सोमवार को बीते 12 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यहां न्यूनतम तापमान लुढ़क कर 2.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

वहीं बहराइच में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। कम तापमान और तेज हवा के चलते प्रदेश में ठंड का असर और तीखा महसूस किया जा रहा है।

मौसम विभाग का कहना है कि मंगलवार से हवा की सक्रियता बढ़ने से कोहरे का असर कुछ हद तक कम होगा। इसी वजह से अगले तीन दिनों तक प्रदेश के किसी भी हिस्से में कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी नहीं किया गया है। हालांकि, तराई और दक्षिणी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना बनी हुई है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डा. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को इटावा में आंशिक शीतलहर जैसे हालात के आसार है। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में आसमान साफ रहने और धूप निकलने से दिन के समय ठंड से आंशिक राहत रहेगी, लेकिन सुबह और शाम के वक्त गलन बनी रहेगी। यह स्थिति अगले चार से पांच दिनों तक बनी रह सकती है।

ट्रिपल मर्डरः बाप–बहन और भांजी को कुल्हाड़ी से काटा... लाशों को कुएं में डाला

प्रयागराज। प्रयागराज में 10 बिस्वा जमीन के लिए बेटे ने पिता–बहन और भांजी को मार डाला। आरोपी ने कुल्हाड़ी से हत्याकर शवों को कुएं में फेंक दिया। इसके बाद ऊपर से पुआल डाल दिया। आरोपी ने छोटे भाई पर भी हमला किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रयागराज के लोकापुर विशानी गांव में 10 बिस्वा जमीन के लिए बेटे ने पिता, बहन और भांजी की कुल्हाड़ी से प्रहार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद तीनों शवों को एक कुएं में फेंक दिया और ऊपर से पुआल डाल दिया। सोमवार को आरोपी की गिरफ्तारी के बाद घटना का खुलासा हुआ।

राम सिंह पटेल (55) के दो बेटे और तीन बेटियां है। हत्यारोपी बड़ा बेटा मुकेश कुमार अपने परिवार के साथ अलग रहता है। छोटा बेटा मुकुंद (24), बेटी साधना और बड़ी बेटी किरण की लड़की आस्था (14) साथ रहते थे। घर में काफी दिनों से जमीन बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। मुकेश की हरकतों से नाखुश राम सिंह ने मकान और जमीन छोटे बेटे मुकुंद के नाम लिख दी थी।

शुक्रवार की रात मुकुंद घर पहुंचा तो ताला बंद था। शनिवार को वह मुकेश के पास पहुंचा और पूछताछ करने लगा तो दोनों में विवाद हो गया। इस पर मुकेश ने तमंचे से गोली चला दी। हालांकि, मुकुंद बाल–बाल बच गया। इसके बाद वह मऊआइमा थाने पहुंचा और बड़े भाई पर आशंका जाहिर करते हुए पिता, बहन और भांजी की गुमशुदगी दर्ज कराई।

सोमवार पुलिस ने आरोपी मुकेश कुमार पटेल को जिला न्यायालय के पास से पकड़ा तो घटना सामने आई। आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, एक तमंचा और दो कारतूस बरामद किया। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पिता को बचाने आईं बहन–भांजी तो तीनों की हत्या की

आरोपी मुकेश ने बताया कि वह पिता से 10 बिस्वा जमीन मांग रहा था। इन्कार करने पर गुस्से में रहता था। शुक्रवार रात छोटे भाई की गैर मौजूदगी में वह उन्हें खत्म करने गया था। सो रहे पिता का गला दबाकर मारने का प्रयास किया तो बहन साधना और भांजी आस्था ने देख लिया। उन्होंने बीच–बचाव किया तो पास पड़ी एक कुल्हाड़ी से तीनों की हत्या कर दी।

कोहरे का फायदा उठाकर शवों को लगाया ठिकाना

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पेट, सिर और गर्दन पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। कोहरे का फायदा उठाकर तीनों के शवों को एक–एककर बाइक से पास के कुएं में फेंक दिया था। छिपाने के लिए पुआल डाल दिया था।

इलाके को सील कर चार घंटे सर्च ऑपरेशन

घटना की जानकारी पर गंगानगर डीसीपी, एसीपी फूलपुर, एसीपी सोरांव समेत अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल के आसपास के इलाके को सील कर दिया। अग्निशमन की टीम व गोताखोरों ने कुएं को खंगालना शुरू किया। शाम करीब सात बजे तीनों के शव को कुएं से बाहर निकाले गए।

भाई की हत्या कर हड़पना चाहता था जमीन

लोकापुर विशानी में पिता, बहन और भांजी की हत्या के मामले में पता चला कि तीनों की हत्या के बाद आरोपी अपने छोटे भाई मुकुंद की भी हत्या करने की फिराक में था। इसके बाद वह पूरी जमीन हड़प लेता।

इसके लिए उसने बिहार से तमंचा खरीदा था। शनिवार को इसी मकसद से उसने मुकंद को गोली मारी थी। गनीमत रही कि गोली गर्दन को छूती हुई निकल गई और उसकी जान बच गई।

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद मुकुंद जब घर पहुंचा तो ताला जड़ा हुआ था। पिता के मोबाइल फोन पर काल की तो फोन बंद था। इसके बाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। घर पहुंच कर जब पुलिस ने ताला तोड़ अंदर प्रवेश किया तो बिस्तर खून से सना था।

तीन महीने बाद डोली उठनी थी, अब अर्थी उठेगी

इसके बाद शक गहराया। पुलिस की एक टीम आरोपी के घर पहुंची तो वह मिला नहीं लेकिन सोमवार को धर लिया गया। राम सिंह की सबसे बड़ी बेटी किरण देवी और मझली पुष्पा देवी है।

साधना सबसे छोटी थी। साधना की 12 अप्रैल को प्रतापगढ़ के हथिगहां में शादी होनी थी। लेकिन वह भाई की निर्ममता की शिकार हो गई। आरोपी मुकेश को लेकर चर्चा है कि वह अपराधी प्रवृत्ति का है। इसी लिए उसे घरवालों ने अलग कर दिया था।

10 बिस्वा जमीन के विवाद में आरोपी ने घटना को अंजाम दिया है। आरोपी मुकेश कुमार पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद हो गई है, मामले की जांच की जा रही है। – कुलदीप सिंह गुनावत, डीसीपी गंगानगर

हैंडपंप की मरम्मत करते समय करंट लगने से मिस्त्री समेत तीन झुलसे

प्रयागराज। घूरपूर थाना क्षेत्र के बोगी गांव में हैंडपंप की मरम्मत करते समय करंट लगने से मिस्त्री समेत तीन लोग झुलस गए। मरम्मत के दौरान पाइप हाईटेंशन तार से छू गया। इससे तीनों गंभीर रूप से झुलस गए। घूरपूर थाना क्षेत्र के बोगी गांव में हैंडपंप की मरम्मत करते समय करंट लगने से मिस्त्री समेत तीन लोग झुलस गए। मरम्मत के दौरान पाइप हाईटेंशन तार से छू गया। इससे तीनों गंभीर रूप से झुलस गए। सभी को आननफानन स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर तीनों को शहर के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। घटना को लेकर हलचल मची है।

असाधारण हालातों के सिवा नामांतरण आदेशों के खिलाफ रिट याचिका पोषणीय नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि राजस्व अभिलेखों में नामांतरण (म्यूटेशन) आदेश के खिलाफ रिट याचिका पोषणीय नहीं है। ऐसे मामलों में हाईकोर्ट तभी सीधे हस्तक्षेप कर सकता है, जब कोई असाधारण हालात हो। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि राजस्व अभिलेखों में नामांतरण (म्यूटेशन) आदेश के खिलाफ रिट याचिका पोषणीय नहीं है। ऐसे मामलों में हाईकोर्ट तभी सीधे हस्तक्षेप कर सकता है, जब कोई असाधारण हालात हो। भूमि स्वामित्व विवादों का अंतिम निर्णय सिविल अदालतों के क्षेत्राधिकार में ही आता है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति डॉ.योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव की एकल पीठ ने बस्ती निवासी गंगाराम मिश्रा की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि म्यूटेशन की कार्यवाही केवल राजस्व रिकॉर्ड के लिए होती है। इससे न तो स्वामित्व तय होता है और न ही अधिकार सृजित होते हैं। मामला एक कृषि भूमि से जुड़ा था, जहां पंजीकृत बिक्री विलेख के आधार पर प्रतिवादी का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया गया।

याची का दावा है कि बिक्री उसके हिस्से से की गई है, जबकि उसके पक्ष में वसीयत भी मौजूद है। कोर्ट ने कहा कि म्यूटेशन की कार्यवाही सारांश प्रकृति की होती है। इसका उद्देश्य केवल यह देखना होता है कि किससे भूमि राजस्व वसूला जाएगा। ऐसे मामलों में स्वामित्व, उत्तराधिकार, वसीयत या बिक्री विलेख की वैधता जैसे जटिल प्रश्नों का निर्णय नहीं किया जा सकता। इन विवादों का समाधान केवल सक्षम सिविल कोर्ट में साक्ष्यों के आधार पर किया जा सकता है।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जब याची के पास वैकल्पिक विधिक उपचार उपलब्ध हो और सिविल वाद लंबित हो, तब हाईकोर्ट को रिट अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने से परहेज करना चाहिए। म्यूटेशन आदेशों में हस्तक्षेप केवल उन्हीं मामलों में संभव है, जहां आदेश पूरी तरह अधिकार क्षेत्र से बाहर, धोखाधड़ी से प्राप्त, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन में पारित या किसी सक्षम अदालत की ओर से पहले से तय अधिकारों के विपरीत हो। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि याची अपने अधिकारों के निर्धारण के लिए सिविल कोर्ट में लंबित मुकदमे को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र है।

12 अप्रैल को बहन साधना की प्रतापगढ़ में होनी थी शादी

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम लोकापुर विशानी में पिता, बहन और भांजी हत्या ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। मुकुंद लाल पटेल की छोटी बहन साधना की 12 अप्रैल को हथिगहा प्रतापगढ़ में शादी तय थी लेकिन परिजनों को क्या पता था कि जमीन के विवाद में पूरे परिवार की हत्या हो जाएगी। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम लोकापुर विशानी में पिता, बहन और भांजी हत्या ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। मुकुंद लाल पटेल की छोटी बहन साधना की 12 अप्रैल को हथिगहा प्रतापगढ़ में शादी तय थी लेकिन परिजनों को क्या पता था कि जमीन के विवाद में पूरे परिवार की हत्या हो जाएगी। राम सिंह की सबसे बड़ी बेटी किरन देवी हैं। उसके बाद पुष्पा देवी और फिर मुकेश कुमार की शादी हो चुकी है। जबकि 24 वर्षीय साधना देवी अविवाहित है। उसकी शादी 12 अप्रैल को तय थी। राम सिंह की बेटी किरन देवी की बेटी आस्था अपने नाना राम सिंह के साथ रहती थी।

अवैध बेदखली पर पेशकार पर एक लाख का जुर्माना, कोर्ट ने कहा–पुलिस और डीएम महिला को घर पर दिलाएं कब्जा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अवैध बेदखली पर नाराजगी जताते हुए प्रतिवादी पेशकार पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने सिद्धार्थ नगर की सोनी की याचिका पर सुनवाई के दौरान बेदखली को कानून की प्रक्रिया और राज्य की प्रशासनिक शक्तियों का घोर दुरुपयोग करार दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अवैध बेदखली पर नाराजगी जताते हुए प्रतिवादी पेशकार पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने सिद्धार्थ नगर की सोनी की याचिका पर सुनवाई के दौरान बेदखली को कानून की प्रक्रिया और राज्य की प्रशासनिक शक्तियों का घोर दुरुपयोग करार दिया। वहीं, डीएम और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 48 घंटे में पीड़िता को घर पर कब्जा दिलाएं। सोनी के ससुर की मौत के बाद पति और देवर ने घर का एक हिस्सा संदीप गुप्ता (जो कोर्ट में पेशकार हैं) को बेच दिया था पर संपत्ति का कोई कानूनी बंटवारा नहीं हुआ था। आरोप है कि इसके बावजूद संदीप ने अपने प्रभाव से पुलिस–राजस्व टीम के साथ मिलकर 18 जुलाई 2025 को याचिकाकर्ता और उसके तीन बच्चों को जबरन घर से निकाल दिया। इस बेदखली के खिलाफ सोनी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि ट्रायल कोर्ट ने संदीप के पक्ष में कब्जा बहाली के लिए दायर आवेदन को बिना किसी नोटिस के उसी दिन स्वीकार कर लिया। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है। प्रतिवादी पेशकार के प्रभाव में आकर विवादित आदेश पारित किया गया। वहीं, प्रतिवादी के अधिवक्ता ने दलील दी कि मकान के सह–स्वामियों से पंजीकृत बैनामा के तहत मकान खरीदा गया था और उसी समय उसे कब्जा दे दिया गया था। उसने ट्रायल कोर्ट के आदेश के पालन में कब्जा लिया है। खंडपीठ ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पाया कि प्रशासनिक अधिकारियों के पास किसी को घर से बेदखल करने के लिए संयुक्त टीम बनाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं था। कोर्ट ने संदीप पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह राशि याचिकाकर्ता को अवैध बेदखली और मानसिक प्रताड़ना के मुआवजे के रूप में एक सप्ताह के भीतर देनी होगी। इसके साथ ही कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की ओर से बिना किसी ठोस सबूत के जल्दबाजी में अंतरिम स्थगन आदेश पारित करने पर नाराजगी जताई है। वहीं, मुख्य न्यायाधीश से संबंधित जज के खिलाफ अनुशासनात्मक जांच शुरू करने पर विचार करने का अनुरोध भी किया गया है।

सवा चार घंटे देरी से आई मुंबई–प्रयागराज की फ्लाइट, अकासा एयर की फ्लाइट भी रही लेट

प्रयागराज। कोहरे की वजह से मुंबई से प्रयागराज आने वाली इंडिगो और अकासा एयर की उड़ान सोमवार को विलंबित हो गई। इंडिगो की मुंबई–प्रयागराज की फ्लाइट सवा चार घंटे तो वहीं अकासा एयर की उड़ान 55 मिनट की देरी से पहुंची। कोहरे की वजह से मुंबई से प्रयागराज आने वाली इंडिगो और अकासा एयर की उड़ान सोमवार को विलंबित हो गई। इंडिगो की मुंबई–प्रयागराज की फ्लाइट सवा चार घंटे तो वहीं अकासा एयर की उड़ान 55 मिनट की देरी से पहुंची। इंडिगो की मुंबई उड़ान का यहां आने का समय दोपहर 1रू00 बजे है लेकिन यह विमान सोमवार को सवा चार घंटे की देरी से शाम 5रू15 बजे पहुंचा। इस वजह से यह उड़ान वापसी में भी यह लेट हो गया। यहां से इसकी रवानगी दोपहर 1रू30 बजे की जगह शाम 6रू00 बजे हो सकी। इसी तरह अकासा एयर की मुंबई–प्रयागराज की उड़ान दोपहर 3रू15 की जगह शाम 4रू10 बजे पहुंची। वापसी में शाम 4रू05 की जगह शाम 5रू15 बजे हो सकी। इसके अलावा इंडिगो की दिल्ली एवं बंगलूरू की उड़ान का समय से आवागमन हुआ। उधरी, ट्रेनों की लेटलतीफी में भी सोमवार को कुछ सुधार दिखा। काफी दिनों के बाद प्रयागराज एक्सप्रेस का आगमन सुबह आठ बजे से पहले हो गया। प्रयागराज 25 मिनट की देरी से सूबेदारगंज पहुंची। रीवा एक्सप्रेस भी 25 मिनट ही लेट रही। पुरुषोत्तम एक्सप्रेस 10 मिनट, नई दिल्ली–बनारस सुपरफास्ट 15 मिनट, चित्रकूट–कानपुर इंटरसिटी 3.20 घंटे, नई दिल्ली–गया महाबोधि 1.30 घंटे, अनन्या एक्सप्रेस 2.00 घंटे, इंदौर–वाराणसी काशी महाकाल एक्सप्रेस 1.10 घंटे, जयनगर–आनंद विहार गरीब रथ 1.20 घंटे तक विलंबित रही। रेलवे अफसरों का कहना है कि मंगलवार को मौसम साफ रहता है तो ट्रेनों की लेटलतीफी में और सुधार होने की उम्मीद है।

तिहरे हत्याकांड से गांव में सन्नाटा, हर कोई स्तब्ध

प्रयागराज। मऊआइमा क्षेत्र के लोकापुर विशानी गांव में तीन लोगों की हत्या के दूसरे दिन गांव में सन्नाटा दिखा। घर के बाहर पुलिस फोर्स की तैनाती रही। परिजनों में चीख पुकार मची रही। परिवार के तीन लोगों (पिता–पुत्री और नातिन) की हत्या से गांव का हर कोई स्तब्ध दिखा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के लोकापुर विशानी गांव में तीन लोगों की हत्या के दूसरे दिन गांव में सन्नाटा दिखा। घर के बाहर पुलिस फोर्स की तैनाती रही। परिजनों में चीख पुकार मची रही। परिवार के तीन लोगों (पिता–पुत्री और नातिन) की हत्या से गांव का हर कोई स्तब्ध दिखा। परिवार में भूमि बंटवारे को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था, लेकिन इसका अंजाम तीन लोगों की मौत तक पहुंचेगा इसका अंदाजा किसी को नहीं था। 10 बिस्वा जमीन के लिए मुकेश सिंह पटेल ने ने पिता, बहन और भांजी की कुल्हाड़ी से प्रहार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद तीनों शवों को एक कुएं में फेंक दिया और ऊपर से पुआल डाल दिया। सोमवार को आरोपी की गिरफ्तारी के बाद घटना का खुलासा हुआ था। राम सिंह पटेल (55) के दो बेटे और तीन बेटियां है। हत्यारोपी बड़ा बेटा मुकेश कुमार अपने परिवार के साथ अलग रहता है। छोटा बेटा मुकुंद (24), बेटी साधना और बड़ी बेटी किरण की लड़की आस्था (14) साथ रहते थे। घर में काफी दिनों से जमीन बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। मुकेश की हरकतों से नाखुश राम सिंह ने मकान और जमीन छोटे बेटे मुकुंद के नाम लिख दी थी।

शुक्रवार की रात मुकुंद घर पहुंचा तो ताला बंद था। शनिवार को वह मुकेश के पास पहुंचा और पूछताछ करने लगा तो दोनों में विवाद हो गया। इस पर मुकेश ने तमंचे से गोली चला दी। हालांकि, मुकुंद बाल–बाल बच गया। इसके बाद वह मऊआइमा थाने पहुंचा और बड़े भाई पर आशंका जाहिर करते हुए पिता, बहन और भांजी की गुमशुदगी दर्ज कराई। सोमवार पुलिस ने आरोपी मुकेश कुमार पटेल को जिला न्यायालय के पास से पकड़ा तो घटना सामने आई। आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, एक तमंचा और दो कारतूस बरामद किया। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस की गिरफ्त में आए ट्रिपल मर्डर के आरोपी मुकेशसिंह पटेल को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। परिवार में सभी का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

एण्डटीवी के कलाकारों ने हॉबी मंथ में बताए अपने पसंदीदा शौक

प्रयागराज। जनवरी को हॉबी मंथ के रूप में मनाया जाता है। यह महीना हमें याद दिलाता है कि भागदौड़ भरी ज़िंदगी के बीच थोड़ा रुककर उन कामों के लिए समय निकालें, जो हमें खुशी, सुकून और रचनात्मक ऊर्जा देते हैं। इस अवसर पर एण्डटीवी के लोकप्रिय कलाकारों ने अपने पसंदीदा शौक के बारे में खुलकर बात की। इन कलाकारों में शामिल हैं– प्रियंवदा कांत ('घरवाली पेड़वाली' की लतिका), गीतांजलि मिश्रा ('हप्पू की उलटन पलटन' की राजेश) और शिल्पा शिंदे ('भाबीजी घर पर हैं 2.0' की अंगूरी भाबी)। प्रियंवदा कांत, जो 'घरवाली पेड़वाली' में लतिका का किरदार निभा रही हैं, ने बताया, "डीआइवाय क्राफ्टिंग मेरी सबसे पसंदीदा हॉबी है। मुझे अपने हाथों से चीज़ें बनाना बहुत अच्छा लगता है– चाहे वो घर की सजावट हो, छोटे एक्सेसरीज़ हों या त्योहारों की सजावट। बचपन से ही मुझे यह शौक है। मुझे याद है कि दिवाली पर मैं अपनी मां के साथ ग्रीटिंग कार्ड और पेपर लैटर्न्स बनाती थी। आज भी मैं अपनी दिवाली की सजावट के सामान खुद बनाती हूं, जिनमें दीये, तोरण और वॉल हैंगिंग्स तक शामिल हैं। साधारण चीज़ों और अपनी कल्पना से कुछ खूबसूरत कृतियों में तब्दील होते देखना बहुत सुकून और खुशी देता है। क्राफ्टिंग करते समय मन शांत हो जाता है और शूटिंग की तेज़ ज़िंदगी से थोड़ी राहत मिलती है। यह मेरे लिए ध्यान जैसा है।" गीतांजलि मिश्रा, जिन्हें दर्शक 'हप्पू की उलटन पलटन' में राजेश के रूप में पसंद करते हैं, ने कहा, "मेरी ज़िंदगी में एक चीज़ जो हमेशा साथ रही है, वो है गाना। संगीत मुझे अंदर से जोड़ता है। चाहे दिन कितना भी थकाने वाला क्यों न हो, गाना गाते ही मन हल्का हो जाता है। शूट के बीच में मैं पुराने गाने गुनगुनाती रहती हूं और मेरे को–एक्टर्स मज़ाक में कहते हैं कि सेट मेरा छोटा सा म्यूज़िक स्टूडियो बन गया है। मैंने पहले शास्त्रीय संगीत सीखा है और जल्द ही फिर से इसे गंभीरता से सीखना चाहती हूं। गाना मेरे लिए सिर्फ शौक नहीं, बल्कि दिल की बात कहने का तरीका है।"

शिल्पा शिंदे, जो 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में अंगूरी भाबी के किरदार में नज़र आती हैं, कहती हैं, "अभिनय के अलावा मेरी सबसे बड़ी हॉबी खेती है। करजत में मेरा छोटा सा फार्म है, जहां जाना मुझे बहुत सुकून देता है। मिट्टी में बीज बोना, पौधों की देखभाल करना और उन्हें बढ़ते देखना बहुत अच्छा लगता है। मैं वहां सब्ज़ियां, फल और कुछ औषधीय पौधे भी उगाती हूं। मुंबई की भागदौड़ से जब भी मौका मिलता है, मैं अपने फार्म चली जाती हूं। वहां समय बिताकर मन और शरीर दोनों तरोताज़ा हो जाते हैं। यह मुझे ज़मीन से जुड़े रहना सिखाता है, और वही संतुलन मेरे काम में भी दिखता है।" एण्डटीवी पर हर सोमवार से शुक्रवार ढेर सारी मस्ती का आनंद उठाना न भूलें।

राजवाहा रोड को भोपा रोड से जोड़ेगा नया बायपासः मीनाक्षी स्वरूप

राजवाहा रोड पर साइड पटरी निर्माण कार्य का पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने किया स्थलीय निरीक्षण

निर्माण कार्य में तकनीकी खामियां मिलने पर जताई कड़ी नाराजगी, साइड पटरी पर पेड़ों की गोलाई और बैंच लगाने के दिए निर्देश

मुजफ्फरनगर। शहर के राजवाहा रोड और नई मंडी क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता को परखने के लिए नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप मंगलवार को स्थलीय निरीक्षण के लिए स्वयं मौके पर पहुँचीं। उन्होंने प्रगति पर चल रहे पाथ–वे साइड पटरी निर्माण कार्य का गहन निरीक्षण किया और मौके पर मिली कई तकनीकी कमियों पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने राजवाहा रोड को भोपा रोड से जोड़ने के लिए नई मंडी श्मशान घाट के पीछे नाले की पटरी सीसी रोड के के एक बायपास के रूप में बनाने के लिए निर्देशित किया।

नगर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यातायात को सुगम बनाने की दिशा में नगरपालिका परिषद् इन दिनों कई निर्माण कार्यों पर तेजी से काम कर रही है। इसी क्रम में राजवाहा रोड पर साइड पटरी निर्माण की गुणवत्ता और उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कार्य स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जल निकासी, नाले की सफाई और पैदल पथ के सौंदर्यीकरण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण तकनीकी कमियां सामने आईं, जिन पर तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने पाया कि साइड पटरी के निर्माण में सड़क के वर्षाजल को नाले तक ले जाने के लिए उचित मार्ग नहीं छोड़ा गया है। साथ ही नाले की सिल्ट सफाई के लिए वाहन आवाजाही का रास्ता भी बाधित हो रहा है। इस पर उन्होंने निर्माण कार्य में लगी

टीम और एई निर्माण को मौके पर ही सख्त नसीहत देते हुए जल निकासी व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्ती से कहा कि भीषण बारिश के समय जलभराव की समस्या किसी भी हाल में स्वीकार नहीं होगी। सड़क से नाले तक उचित ढाल और पाइपलाइन का प्रावधान तुरंत सुनिश्चित किया जाए। पालिका अध्यक्ष ने पैदल पथ पर लगे पेड़ों की सुरक्षा के लिए उनके चारों ओर पक्की गोलाई बनाने के निर्देश दिए। साथ ही राहगीरों और बुजुर्गों के बैठने के लिए बेंच लगाने का भी कहा, ताकि यह पाथ–वे न केवल कार्यात्मक बल्कि सौंदर्यपूर्ण और उपयोगी भी बन सके। पाथ–वे को आमजन के लिए सुविधाजनक और आकर्षक बनाने पर जोर दिया।

राजवाहा रोड पर नई मंडी श्मशान घाट के पीछे नाले की पटरी पर भारी मात्रा में जमा कूड़ा और गंदगी देखकर पालिकाध्यक्ष ने नाराजगी जताई। उन्होंने इस पटरी को सीसी रोड के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि यह मार्ग भविष्य में राजवाहा रोड को पुलिया से भोपा रोड से जोड़ने वाले बाइपास के रूप में भी काम कर सके। कहा कि इससे न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि वर्षों से चली आ रही गंदगी की समस्या का स्थायी समाधान भी संभव हो सकेगा। एई निर्माण को इसके लिए तत्काल एस्टीमेट तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा गया।

पालिकाध्यक्ष ने कहा किकृ नगर के सुचारु यातायात, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को सुदृढ़ करने के लिए यह निर्माण कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। नगरपालिका परिषद् के अधिकारियों को गुणवत्ता से कोई समझौता किए बिना निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर का सर्वांगीण विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इसी दिशा में परिषद् निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

नगर पालिका ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह ने बताया कि राजवाहा रोड पर चल रहा पाथ–वे साइड पटरी निर्माण कार्य 15वें वित्त आयोग की निधि से लगभग 82 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पालिकाध्यक्ष द्वारा निरीक्षण के दौरान दिए गए सभी निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागाध्यक्षों को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा गया है। निरीक्षण के दौरान व्यापारी नेता शलभ गुप्ता, जनार्दन विश्वकर्मा, नगर पालिका ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह, एई निर्माण नैपाल सिंह, तथा नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय प्रताप शाही मौजूद रहे।

कहते हैं उसको कमल

(कुण्डलिया)

इंदीवर कुवलय वनज, पंकज कमल सरोज।
पुंडरीक जलजात कह, कहते हैं अंभोज।
कहते हैं अम्भोज, इंडियन लोटस जिसको।
बना राष्ट्रीय फूल, सुशोभित करता जग को।
सुन लो कहें प्रदीप, फ़ारसी में नीलोफर।
सरसीरुह के साथ,नाम सरसिज इंदीवर।।

पौराणिक गाथा बने,जिसके नाना गाथ।
कहते हैं उसको 'कमलश, रहे विष्णु के साथ।
रहे विष्णु के साथ, सदा उपमा बन सुन्दर।
कीचड़ में ले जन्म, हमेशा रहता ऊपर।
सुन लो कहें प्रदीप, हमेशा बना समाजिक।
नूतनता के साथ, कथा कहता पौराणिक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

डॉ. वाई. एस. पाण्डेय जन्मोत्सव एवं 'त्वदीयं वस्तु तुभ्यमेव समर्पये' पत्रिका का विमोचन संपन्न

गोलघाट। नवोदय वैश्विक प्रज्ञान साहित्यिक संस्थान के संरक्षक, वैश्विक ख्याति लब्ध, प्रतिष्ठित विद्वान, लाइफ टाइम अचीवर, वर्ल्ड गोल्ड मेडलिस्ट अंतरराष्ट्रीय विद्वान डॉ. वाई. एस. पाण्डेय 'प्रकाश' के जन्मदिवस (05 जनवरी 2025) के उपलक्ष्य में मंच पर बधाइयां, शुभकामनाएं देने और श्त्वदीयं वस्तु तुभ्यमेव समर्पयेश ई पत्रिका का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच अधीक्षक डा. जे. एन. भारती 'बैरागी' ने की। जबकि मुख्य अतिथि डॉ जे पी तिवारी एवं विशिष्ट अतिथि डॉ वाई एस पाण्डेय की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम की रुपरेखा और आयोजन का दायित्व संस्थापक डा. ओम प्रकाश मिश्र श्मधुब्रतश जी ने स्वयं उठाया।संचालन का दायित्व डा. राजीव रंजन मिश्र ने शानदार ढंग से निभाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ छंदाचार्य डॉ लवकुश तिवारी श्माधवपुरीश की मोहक वाणी वंदना और बधाइयों से हुआ। तत्पश्चात मीडिया

महा अधीक्षक सुधीर श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए अपना कथन एवं बधाइयां दी।

अतिथियों का स्वागत एवं संरक्षक जी का विशेष सम्मान मंच अध्यक्ष डॉ कृष्ण कांत मिश्र द्वारा बधाइयां शुभकामनाओं के साथ किया गया। इसके बाद श्त्वदीयं वस्तु तुभ्यमेव समर्पयेश पत्रिका का विमोचन मंच के मुख्य अधीक्षक डॉ जे एन भारती बैरागी के मुखारविंद से संपन्न हुआ। फिर संरक्षक जी को मंच के पदाधिकारियों डा. पूर्णिमा पाण्डेय श्पूर्णाश, स्वर्ण लता श्सोनश, सुरेश चन्द्र जोशी, अशोक दोशी, रुपा माला, रंजना बिनानी, एकता और अमिता गुप्ता, डा. राजीव रंजन मिश्र, सुनील कुमार...आदि ने जन्मदिन की बधाइयां शुभकामनाएं एवं काव्य , गीत, सोहर की प्रस्तुतियां देकर दी।

विशिष्ट अतिथि डॉ वाई एस पाण्डेय अपने जन्मदिन को भव्य और यादगार बनाने के लिए संस्थान के संस्थापक डा. ओम प्रकाश मिश्र श्मधुब्रतश और नवोदय परिवार के सभी पदाधिकारियों को आशीर्वाद के साथ आभार धन्यवाद करते हुए प्रसन्नता व्यक्त कर पुरस्कृत करने की घोषणा भी की। मुख्य अतिथि डॉ जे पी तिवारी ने डा. पाण्डेय के व्यक्तिव, कृतित्व से परिचित कराते हुए अपना उद्बोधन और शुभकामनाएं दी।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए डॉ जे एन भारती बैरागी ने काव्यात्मक प्रस्तुति एवं बधाई से आल्हादित किया। इसी के साथ डॉ वाई एस पाण्डेय जी के जेष्ठ सुपुत्र डॉ कृष्ण कुमार पाण्डेय जिला चिकित्सालय जौनपुर ने भी अपनी भावाभिव्यक्ति दी और बताया कि यह पिता श्री का 72 वाँ जन्मदिन मनाया जा रहा है। जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ वाई एस पाण्डेय के द्वितीय सुपुत्र डॉ बृजेश कुमार पाण्डेय (पुस्तकालयाध्यक्ष जिला पुस्तकालय जौनपुर) द्वारा किया गया। अंत में संचालक डा. राजीव रंजन मिश्र ने अध्यक्षीय अनुमति से कार्यक्रम के समापन की घोषणा।

माघ मेला–2026 में वंचित तबके के बच्चों के लिए लगी 'विद्या कुंभ' की पाठशाला

प्रयागराज। बालिका शिक्षा और बच्चों के समग्र विकास के लिए कार्यरत गैर–लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स ने शिक्षा विभाग के सहयोग से जनपद प्रयागराज में आयोजित माघ मेला–2026 के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय एवं आँगनवाड़ी केंद्र श्विद्या कुंभश का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य माघ मेला–2026 के दौरान मेला क्षेत्र में सैनिटेशन व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सेक्टर संख्या–3 में निर्मित सैनिटेशन कॉलोनी में प्रवासरत सफाई कर्मियों के बच्चों की निरंतर शिक्षा को बढ़ावा देना है, जिसका उद्घाटन श्रीमती सौम्या अग्रवाल, मंडल आयुक्त, प्रयागराज मंडल ने किया।

उद्घाटन समारोह में कक्षा–1 सृजन, कक्षा–2 विद्या अंकुर, कक्षा–3 विद्या उदय, कक्षा–4 विद्या अर्जुन और कक्षा–5 विद्यापथ के फीते काटकर सभी कक्षाओं को बच्चों के लिए समर्पित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उल्लेखनीय है कि एजुकेट गर्ल्स द्वारा 'विद्या कुंभ' पहल की शुरुआत पूर्व में महाकुंभ के दौरान की गई थी, जिसे अब माघ मेला–2026 में शिक्षा विभाग के सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, बच्चों एवं संबंधित विभागों का स्वागत करते हुए श्री अनिल कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रयागराज ने अवगत कराया कि बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों द्वारा सैनिटेशन कॉलोनी में निवासरत सफाई कर्मियों के सभी परिवारों का सर्वेक्षण कर बच्चों को चिन्हित करते हुए आयु–अनुसार कक्षाओं में कुल 333 बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया गया है। इन बच्चों को संपूर्ण माघ मेला अवधि

में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

एजुकेट गर्ल्स संस्था के स्टेट ऑपरेशन हेड, नितिन कुमार झा ने कहा, "हम इस पहल के लिए राज्य सरकार और बेसिक शिक्षा विभाग का हृदय से धन्यवाद् करते हैं। उनके सहयोग और मार्गदर्शन से हमें ज़मीनी स्तर पर बच्चों, विशेषकर लड़कियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रचनात्मक अवसर पहुँचाने में मदद मिली है। सरकार और शिक्षा विभाग का यह समर्थन हमारे प्रयासों को और मज़बूती देता है तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।"

विक्रम सोलंकी, डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशन्स, एजुकेट गर्ल्स ने कहा, "माघ मेला जैसे बड़े सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिक्षा को शामिल करना अत्यंत सराहनीय है। यह पहल बच्चों को न सिर्फ पढ़ाई, बल्कि खेल, कला और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अनुभव देगी और उनका समग्र विकास सुनिश्चित करेगी। यह पहल 'विद्या कुंभ' की निरंतरता का सार्थक प्रमाण है, जिसकी शुरुआत पहले महाकुंभ में की गई थी और अब माघ मेला–2026 के माध्यम से इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।"

मुख्य अतिथि श्रीमती सौम्या अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा, षशिक्षा का मूल उद्देश्य यह है कि कोई भी बच्चा आउट–ऑफ–स्कूल न रहे तथा सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। विद्यालय एवं आँगनवाड़ी केंद्र की स्थापना इसी उद्देश्य से की गई है। शिक्षकों का दायित्व है कि वे बच्चों की रचनात्मक क्षमता का विकास करें तथा आधुनिक तकनीक की सहायता से वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करें, जिससे बच्चे भविष्य में सुयोग्य नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें।ष

विशिष्ट अतिथि श्रीमती हर्षिका सिंह, मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज ने कहा, षबेसिक शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई खेल सामग्री, साइंस एवं मैथ किट के माध्यम से शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को सुदृढ़ किया जाए, जिससे बच्चे खेल–खेल में सीखने की प्रक्रिया को आत्मसात कर सकें।ष

इस अवसर पर बच्चों को निःशुल्क यूनिफॉर्म (पैंट–शर्ट), स्वेटर, जूते–मोजे, साथ ही एजुकेट गर्ल्स द्वारा उपलब्ध ज्ञान का पिटारा, स्टेशनरी, अभ्यास पुस्तिकाएँ, वर्कशीट, कला–क्राफ्ट और लेखन सामग्री वितरित की गई। बच्चों ने स्वागत गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह को जीवंत बनाया।

कार्यक्रम के संयोजक श्री राजीव त्रिपाठी ने बताया कि बच्चों के लिए इंडोर और आउटडोर खेल सामग्री, प्रतिदिन मध्याह्न भोजन और विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी की भी व्यवस्था की गई है। इससे बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ उनकी समग्र जीवन आवश्यकताएं और कौशल विकास सुनिश्चित होंगे।

कार्यक्रम में श्री ऋषि राज (मेला अधिकारी), श्री अभिनव पाठक (उपजिलाधिकारी), डॉ. आनंद सिंह, श्रीमती वैशाली शुक्ला (नायब तहसीलदार), खंड शिक्षा अधिकारी, और एजुकेट गर्ल्स टीम के सदस्य श्री अभिनव दुबे, श्री आशीष राय, श्री अवनीश कुमार यादव, सुश्री नेहा सिंह, श्री आलोक कुमार, सद्दाम, शशि प्रकाश, कुंवर, प्रभाकर, पंकज, उर्वशी, शालिनी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में श्री अनिल कुमार ने एजुकेट गर्ल्स संस्था को धन्यवाद् देते हुए कहा कि यह संस्था शिक्षा विभाग को निरंतर सहयोग प्रदान करती रही है और भविष्य में भी करती रहेगी।

गंगानाथ झा परिसर में भारतीय ज्ञान परम्परा कार्यशाला में लौकिक संस्कृत में धातु विकास के भाषा वैज्ञानिक अध्ययन पर चर्चा

प्रयागराज। गंगानाथ झा परिसर के सभागार में आज केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र के द्वारा आयोजित कार्यशाल के द्वितीय दिवस प्रो. सुद्युम्न आचार्य, निदेशक, वेदवाणी वितान, सतना द्वारा लौकिक संस्कृत में धातु विकास के भाषा वैज्ञानिक अध्ययन पर चर्चा की गई। प्रथम सत्र में प्रो. चान्दकिरण सलूजा,

निदेशक, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के सन्दर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा एवं अनुसन्धान विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला में प्रो. आशुतोष माथुर, निवृत्ताचार्य, स्टिफन्स कालेज, दिल्ली ने उपस्थित छात्र–छात्राओं का व्यवहार शास्त्र का परिचय, शोधविधि एवं संभूयसमुत्थान के सन्दर्भ में अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यशाला के द्वितीय दिवस मे डा. कृष्णन् टी.एस., भारतीय पुरालेखविद्, चेन्नई ने भारतीय मन्दिरों को ज्ञान के भण्डार के रूप में अवस्थापित किया। कार्यशाला के अन्य सत्र में प्रो. सुद्युम्न आचार्य ने संस्कृत में नामधातु विकास का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत किया। परिसर के मीडिया प्रभारी राजेशकान्त तिवारी ने बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा पर आयोजित इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ सम्मिलित होकर अनुसन्धान के अवसर एवं संभावनाएँ तलाश रहे हैं।

नाटक समारोह के दूसरे दिन नाटक बेटी वियोग का भावपूर्ण मंचन सपन्न

प्रयागराज। साइंटिफिक एंपावरमेंट एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के नाट्य समारोह के दूसरे दिन नाटक बेटी वियोग का भावपूर्ण मंचन हुआ। मुख्य अतिथि शिवकुमार राय, विशिष्ट अतिथि दीपक शर्मा, विचल द्विवेदी, उपाध्यक्ष चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया अतिथियों को सचिव सुशील राय ने अंगवस्त्र सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। बलिया से आए संकल्प सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था के रंगकर्मियों ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को जब चाहा हंसाया तो जब चाहा रूला दिया। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज में आशीष त्रिवेदी के निर्देशन में महान लोक कलाकार भिखारी ठाकुर की अमर कृति बेटी वियोग का मंचन किया। बेटी वियोग उस दौर की कथा है जिस दौर में पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में लोग अपने बेटियों को बेच देते थे । जो पैसे मिलते थे उससे खेती बारी करते थे। ऐसे में 10 साल 12 साल की लड़कियों की शादी 50 से 60 साल तक के आदमियों से हो जाती थी। इस कुप्रथा की वजह से लड़कियों की जिंदगी बर्बाद हो जाती थी । इसे रोकने के लिए अंग्रेजों ने शारदा एक्ट लाया लेकिन उसका प्रभाव समाज पर नहीं पड़ा। भिखारी ठाकुर के इस नाटक की हजारों प्रस्तुतियां गांव गांव में जब शुरू हुई तो इस नाटक की वजह से एक सामाजिक क्रांति हुई। लोगों ने अपनी बेटियों को बेचना बंद कर दिया । लगभग 100 साल पहले लिखे गए इस नाटक की प्रासंगिकता आज भी इसलिए है क्योंकि आज भी हम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दे रहे हैं।घ आज भी समझ में दहेज के अभाव में लड़कियों का बेमेल विवाह बदस्तूर जारी है। नाटक में लड़की की मां लोभा की भूमिका में ट्विंकल गुप्ता, दुल्हा राहुल चौरसिया, लड़की रिया वर्मा, लड़की के पिता तुषार पाण्डेय और नाटक के निर्देशक आशीष त्रिवेदी पंडित की भूमिका में सशक्त रहे । वहीं रितिक, प्रीतम, यश , विशाल , प्रियांशु, खुशी, भाग्यलक्ष्मी, ज्योति, खुशी कुमारी, तुलसी की भी भूमिका शानदार रही। पार्श्व गायन शैलेन्द्र शर्मा, भाग्यलक्ष्मी, ज्योति ने किया। हारमोनियम वादन शैलेन्द्र शर्मा, नाल वादन सुभाष ने। लाइट शिवम कृष्ण, मेकअप ट्विंकल गुप्ता और सेट डिजाइन राहुल चौरसिया ने। नाट्य परिकल्पना और निर्देशन आशीष त्रिवेदी। कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति हंसगीत नाटक के मुख्य किरदार शिव गुप्ता के शानदार अभिनय की हरतरफ तारीफ हो रही है।

जहरीला पदार्थ पीने से युवक की मौत, अस्पताल में तोड़ा दम

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के अमीनाबाद थाना क्षेत्र में ई–रिक्शा चालक ने जहरीला पदार्थ पीकर जान दे दी। घटना के समय वह घर में अकेला था। बेटी घर पहुंची तो वह अचेत अवस्था में पड़ा मिला। घबराई बेटी ने परिजनों को सूचना दी। परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हाथा हाजी रहीम बक्श हैदर मिर्जा, चिकमंडी अमीनाबाद निवासी अल्ताफ (32) ई–रिक्शा चलाता था। अल्ताफ सोमवार को घर में अकेले था।

दोपहर में करीब 1.30 बजे जहरीला पदार्थ पी लिया। कुछ देर बाद बड़ी बेटी घर पहुंची तो अचेत अवस्था में मिले। घबराई बेटी ने पास में ही रहने वाले मामा आफताब को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने आनन–फानन बलरामपुर अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान अल्ताफ की मौत हो गई।

पुलिस ने मंगलवार शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामा आफताब ने बताया घटना की स्पष्ट वजह का पता नहीं चल पाया है। न ही मौके से कोई सुसाइड नोट मिला है। परिवार में पत्नी शाहीन बानो और दो बेटियां अलीना और अल्फिशा है। घटना के बाद से परिवार का रो–रो कर बुरा हाल है।

सम्पादकीय.......

दूषित जल और राजनीति के 'घंटे' से निपटने का वक्त

मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पेयजल से 19 लोगों की मौत हो चुकी है। 200 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया है। हालांकि मध्य प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में जो रिपोर्ट पेश की, उसमें सिर्फ 4 लोगों की मौत दूषित पानी से होने की बात कही गई। राजनीति के अपने पर्दे होते हैं। इस पर्दादारी में भ्रष्टाचार जैसे कई अपराध पूरे संरक्षण से पलते हैं और इन पर ध्यान तभी जाता है, जब लोगों की जान पर बन आती है। इंदौर केंद्र सरकार की स्मार्ट सिटी परियोजना के पहले चरण के 20 'लाइटहाऊस शहरों' में से एक है। 28 फरवरी 2016 को इसे भारत का सबसे स्वच्छ और सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट शहर चुना गया था। सितम्बर 2023 में सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी का खिताब हासिल किया। केंद्र सरकार के हर साल कराए जाने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार 8 वर्ष से देश का सबसे स्वच्छ शहर के रूप में दर्ज किया जा रहा है। मौत की वजह कोई रातों–रात हुई घटना नहीं। दूषित पेयजल की शिकायतें लगातार भागीरथपुरा के इलाके के लोगों द्वारा की जा रही थीं। मगर सरकार एक के बाद एक कई मौतें होने के बाद ही जागी। गंदे पानी की शिकायतों को अनदेखा करने और पाइपलाइन की टेंडर प्रक्रिया पर नजर न रखने के लिए निगम आयुक्त दिलीप यादव को हटा दिया गया है। पाइप लाइन बदलने के लिए अगस्त में हुए टेंडर को दबा कर रखने के लिए अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया को निलंबित कर दिया गया है। इतना ही नहीं, गंदे पानी की शिकायतों पर कार्रवाई न करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव सहित 5 अधिकारी निलंबित किए गए हैं। मगर 4 महीने तक क्षेत्र की जनता की शिकायतों पर ध्यान न देने वाले पार्षद कमल वाघेला, जनता की शिकायतों पर कोई कदम न उठाने वाले महापौर पुष्यमित्र भार्गव और जलकार्य प्रभारी बबलू शर्मा पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस तरह राजनीति की मोटी खाल कवच की तरह भी काम करती है। लेकिन मध्य प्रदेश के ताकतवर शहरी आवास विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस घटना में एक पत्रकार से बातचीत करते हुए जैसे 'घंटा' शब्द का इस्तेमाल किया, वह न केवल शर्मनाक है, बल्कि शासक दल भाजपा के लिए भी चुनौती है कि वह ऐसे बदजुबानी मंत्री की बातों को झेलते रहेंगे और भाजपा पर दाग लगाते रहेंगे। अब आइए तथ्यों की बात कर लें। पीने के लिए सप्लाई किए गए पानी के सैंपलों की जांच रिपोर्ट में इंसानों और जानवरों के मल में पाए जाने वाले बैक्टीरिया समूह फीकल कॉलिफॉर्म, ई–कोलाई, विब्रियो और प्रोटोजोआ पाए गए हैं। विब्रियो केलोरी से हैजा फैलता है। किसी पानी में फीकल कोलीफॉर्म की उच्च मात्रा का मतलब है कि पानी पीने या नहाने अथवा किसी भी तरह के इस्तेमाल के लिए असुरक्षित है। सरकारी तंत्र इस पर भी पर्दा डालने में जुटा है। इतनी मौतों के बाद भी सच को नकारने के लिए इसे प्रारंभिक रिपोर्ट कहकर टालने की कोशिश की जा रही है। एक समय था, जब ऑडिट रिपोर्ट मीडिया में सुर्खियां बनती थी। उन पर कार्रवाई भी होती थी। शायद यह तत्परता बहुत से लोगों की जान बचाने में भी सहायक थी। मगर अब तो कैग रिपोर्ट कब आती है और कब जाती है, मीडिया में कहीं बहुत सुर्खियां नहीं दिखतीं। सूचना की ताकत को कम करना पूरे सिस्टम और देश को खतरे में डालने वाली खतरनाक प्रवृति है। शहरी जल आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारने के लिए एशिया विकास बैंक ने वर्ष 2004 में मध्य प्रदेश के 4 शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर के लिए 25 करोड़ डालर (लगभग 2400 करोड़ रुपए) की ऋण मदद दी थी। इसका उद्देश्य शहर के हर नागरिक तक पानी पहुंचाना था। वर्ष 2019 में भोपाल और इंदौर में जल प्रबंधन पर कैग की रिपोर्ट आई थी, जिसमें इन दोनों शहरों में जलापूर्ति में गंभीर खामियां इंगित की गई थीं। मगर इस रिपोर्ट के आने के बाद कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि नगर निगम लीकेज की किसी भी समस्या को दूर करने में 22 से 108 दिन लगाता है। वर्ष 2013 से 2018 के बीच 4481 पेयजल नमूने पीने योग्य नहीं पाए गए। इस अवधि में दोनों शहरों में 5.45 लाख मामले जलजनित बीमारियों के दर्ज किए गए। इनमें डायरिया सबसे आगे थी। दोनों शहरों में जलकर के रूप में 470 करोड़ रुपए जनता से लिए जाते हैं। जहां से पानी सप्लाई होता है, पानी की वे टंकियां नियमित रूप से साफ नहीं की जातीं। देश के ज्यादातर शहरों में यह समस्या है, यहां तक कि देश की राजधानी में भी। राजधानी दिल्ली के जनकपुरी के ए–1 ब्लॉक में गंदे पानी की आपूर्ति का मामला राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) में विचाराधीन है। राजधानी के जिन इलाकों से दूषित पेयजल की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।

अटूट आस्था के १००० वर्ष

नरेन्द्र मोदी

सोमनाथ... यह शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिध्लग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है... सौराष्ट्रे सोमनाथं च... यानी ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। यह इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है। 'सोमलिंग नरो दृष्ट्वा सर्वपापैरू प्रमुच्यते। लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतरू स्वर्गं समाश्रयेत्‌' अर्थात, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वे पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था। सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, 1000 वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय–समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनरूनिर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई, 1951 को इस मंदिर का पुनध्र्नर्माण सम्पन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वह समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे। 1026 में 1000 वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, यह ऐसा दुख है जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है। सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से यह कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं, यह पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान, हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है। 1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार–बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए उकसाया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था। लेकिन हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं, जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनरू जीवंत किया। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वह आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत, हमारी शक्ति का पुंज है। हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें। 1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वह अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नई में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने कहा था, 'दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे। इन मंदिरों पर सैंकड़ों आक्रमणों के निशान हैं और सैंकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किए गए और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए, पहले की तरह सशक्त।

पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है। इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा।' आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुननिर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। 1947 में दीवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनध्र्नर्माण होगा। अंततरू 11 मई, 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वह नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया। सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख के. एम. मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है। उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था। सोमनाथ पर उनका कार्य, विशेष रूप से उनकी पुस्तक 'सोमनाथ, द श्राइन इटरनल' अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। हम विश्वास करते हैं– नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकरू। सोमनाथ का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया लेकिन उसकी चेतना अमर रही। इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। वह हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं।

कार्तिगई दीपम विवाद पर मद्रास हाईकोर्ट का फैसला सनातन विरोधियों की करारी हार है

नीरज कुमार दुबे

मद्रास हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी के दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति को बरकरार रखा है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह परंपरा सदियों पुरानी है और इसे रोकने का कोई संवैधानिक या कानूनी आधार नहीं है। अदालत ने साथ ही राज्य सरकार द्वारा कानून व्यवस्था के नाम पर लगाए गए प्रतिबंधों को निराधार और कल्पनाजन्य करार दिया। न्यायालय ने कहा कि जिस स्थान पर दीपम जलाया जाता है वह मंदिर से जुड़ी पारंपरिक धार्मिक व्यवस्था का हिस्सा रहा है। केवल आशंका के आधार पर किसी धार्मिक परंपरा को रोका नहीं जा सकता। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि धार्मिक स्वतंत्रता केवल निजी पूजा तक सीमित नहीं है बल्कि सामूहिक और सार्वजनिक धार्मिक अभिव्यक्तियां भी इसके अंतर्गत आती हैं।

हम आपको बता दें कि इस मामले में राज्य सरकार ने दलील दी थी कि दीपम जलाने से सामाजिक तनाव और कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है। कोर्ट ने इस तर्क को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि प्रशासन का दायित्व भय पैदा करना नहीं बल्कि निष्पक्ष और साहसिक ढंग से कानून व्यवस्था बनाए रखना है। अदालत ने यह भी कहा कि यदि हर परंपरा को संभावित विवाद के नाम पर रोक दिया जाए तो संविधान में प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता केवल कागज पर रह जाएगी।

हम आपको बता दें कि

याचिकाकर्ताओं की ओर से यह तर्क रखा गया था कि कार्तिगई दीपम केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। इसे रोकने का प्रयास समाज में अनावश्यक विभाजन और असंतोष को जन्म देता है। कोर्ट ने इस तर्क से सहमति जताई और आदेश दिया कि परंपरागत रीति से दीपम जलाने की अनुमति दी जाए।

देखा जाये तो मद्रास हाईकोर्ट का यह निर्णय उस मानसिकता पर करारा प्रहार है जो हर हिंदू परंपरा को कानून व्यवस्था के नाम पर कटघरे में खड़ा करने की आदी हो चुकी है। आज सवाल यह नहीं है कि दीपम जलेगा या नहीं। सवाल यह है कि क्या बहुसंख्यक समाज की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को हर बार डर और शक के चश्मे से देखा जाएगा? तमिलनाडु की द्रमुक सरकार का तर्क कि दीपम जलाने से अशांति फैल सकती है, दरअसल प्रशासनिक असफलता को छिपाने का तरीका है। अगर हर धार्मिक आयोजन से पहले सरकार को डर लगने लगे तो फिर शासन चलाने का नैतिक अधिकार किस बात का रह जाता है? अदालत ने ठीक ही कहा कि कल्पित भय के आधार पर मौलिक अधिकारों को कुचला नहीं जा सकता।

देखा जाये तो यह मामला उस व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है जहां हिंदू धार्मिक परंपराओं को बार बार रोकने और सीमित करने का प्रयास किया जाता है। कभी शोर का बहाना बनाया जाता है, कभी पर्यावरण का तो कभी कानून व्यवस्था का। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से यही तर्क अन्य समुदायों के मामलों में अचानक गायब हो जाते हैं। यह दोहरा मापदंड समाज में असंतोष और अविश्वास को जन्म देता है। कार्तिगई दीपम का सामाजिक महत्व केवल आस्था तक सीमित नहीं है। यह पर्व सामूहिकता का प्रतीक है। पहाड़ी पर जलता दीप दूर दूर तक दिखाई देता है और समाज को जोड़ने का काम करता है। जब ऐसी परंपराओं को रोका जाता है तो संदेश जाता है कि बहुसंख्यक समाज की भावनाएं गौण हैं। यही भावना धीरे धीरे आक्रोश में बदलती है और फिर वही आक्रोश सामाजिक तनाव का रूप ले लेता है। इस फैसले का सबसे बड़ा सामाजिक प्रभाव यह है कि लोगों का यह विश्वास और प्रबल हुआ है कि न्यायपालिका संविधान की आत्मा को समझती है। अदालत के आदेश ने यह स्पष्ट कर दिया कि धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यह नहीं है कि राज्य केवल एक धर्म के प्रति कठोर हो जाए और बाकी के प्रति नरम। सच्ची धर्मनिरपेक्षता सभी परंपराओं के साथ समान व्यवहार की मांग करती है। यह निर्णय प्रशासन के लिए भी चेतावनी है। उसे समझना होगा कि परंपराओं को

ग़ज़ल

वो रिश्ता बाप की मजबूरियों से जोड़ लेता है
कि जब बच्चा खिलौने देखकर मुँह मोड़ लेता है

अजब है इश्क़ जिसकी आँच वन की आग जैसी है
जुनूँ ऐसा कि अम्बर के सितारे तोड़ लेता है

धुनी मंज़िल का, पूरा हौसला, सच्चा मुसाफ़िर है
बड़ा ज़िद्दी पहाड़ों में भी राहें फोड़ लेता है

पिछड़ जाने के भी हालात पे पैनी नज़र रखना
अगर तू ज़िन्दगी में हर किसी से होड़ लेता है

फ़सल को सींच भी लेता है वो अपने पसीने से
कि जो मेहनत का पुतला बंजरों को गोड़ लेता है

डॉ० अवनीश यादव
पी०ई०एस०
(प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग)
उत्तर प्रदेश

सिर्फ़ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास

(भाग –19)

लेखिका –अतिया नूर

समीर के मन में उमंगें थीं। उसके सपने बहुत बड़े थे, जिन्हें वह जल्द से जल्द हक़ीक़त में बदल देना चाहता था। वह बहुत हंसमुख, ज़िंदगी से लबरेज़, हंसने – खिलखिलाने वाला बच्चा था। वह कम से कम समय में बहुत कुछ हासिल करना चाहता था।। प्रकाश ने उसे अपनी दुकान में शरण तो दी थी मगर उसने अपनी इस भलाई के बदले में समीर को पूरी तरह बर्बादी के दलदल में धकेल दिया। अब आए दिन हमारे घर में पैसों को लेकर महाभारत शुरू होने लगी।समीर, शेखर से आए दिन पैसों की मांग करने लगा। ये कोई छोटी – मोटी रकम की मांग नहीं होती थी बल्कि पच्चीस, पचास हज़ार से शुरू होकर लाखों में पहुंच गई। शेखर कभी उसे पैसे देते तो कभी नहीं देते। पैसे नहीं देने पर घर में जो परिस्थितियां पैदा हो जाती थीं उनका वर्णन शब्दों में करना असंभव है। घर में सबका जीना दूभर हो गया था, हमारे साथ – साथ हमारी नन्हीं सी शिखा भी डरी – सहमी और गुमसुम सी रहने लगी थी।

सबसे बड़ी बात तो यह थी कि – इधर समीर पैसे लेकर जाता, उधर कुछ थोड़े बहुत मोबाइल वगैरह लेकर वापस आ जाता.... ।उसके सारे पैसे कहां गए, यह पूछने पर भी समीर ने हमें कभी नहीं बताया । बस हम दोनों यानि मैं और शेखर क़यास लगा रहे थे कि –कोई समीर के सारे पैसे लूट रहा है और समीर को किसी ग़लत आदत की गर्त में फेंक रहा है।प्रकाश पर हमें शक तो था लेकिन कोई सुबूत नहीं था, सो हम प्रकाश से पूछते भी क्या?

हम अपनी आंखों के सामने अपना संसार उजड़ते, अपने समीर को बर्बाद होते देख रहे थे, पर असहाय,नियति के हाथों ठगे – ठगे खड़े रहने के सिवाय हमें कोई रास्ता नहीं नज़र आ रहा था। शेखर और मैं दोनों ही यह सोचकर उदास थे कि हमने समीर के लिए सब कुछ तो करके देख लिया, आख़रि अब क्या करें? समीर को इतने पैसे क्यों और कहां से लाकर दिए जाएं? पैसा देने से अगर समीर सुधर जाता और हमारी समस्या हल हो जाती तो हम यह भी कर लेते, लेकिन प्रश्न तो यही था कि समस्या सुलझने की बजाय और उलझ गई थी। न जाने क्यों मुझे अब यह महसूस हो रहा था कि दोष समीर का नहीं बल्कि उसकी तक़दीर का था, जो उसका साथ नहीं दे रही थी। अगर तक़दीर उसका साथ देती तो भला क्यों उसे प्रकाश जैसे घटिया आदमी का साथ मिलता, कोई राह दिखाने वाला भी तो मिल सकता था।

समीर की आदतों की वजह से कॉलोनी में हमारी बहुत बेइज्जती होने लगी थी। जो लोग हमें बड़ी इज़्ज़त की नज़र से देखते थे वह भी मुंह उठाकर हमें कुछ न कुछ सुना जाते थे। परेशान होकर शेखर ने तबादला लेने का फ़ैसला कर लिया और तबादले के लिए अप्लाई कर दिया, कुछ दिनों में आवेदन स्वीकार हो गया और हम कानपुर छोड़कर रांची जाने की तैयारी करने लगे।

रांची जाने का समय याद करके मैं आज भी सिसक उठती हूं।सामान ट्रक में लद चुका था। मैं शेखर और शिखा अपनी गाड़ी में बैठ चुके थे। शेखर गाड़ी स्टार्ट करने ही वाले थे कि –समीर भी गाड़ी में बैठ गया और शेखर ने उसको बुरी तरह से डांट कर गाड़ी से उतार दिया। समीर हिचक – हिचक कर रोने लगा। वह बार – बार एक ही बात दोहरा रहा था कि – पापा!आप लोग चले जाएंगे तो मैं कहां रहूंगा, मेरा तो बिजनेस भी अभी सेट नहीं हुआ, मैं कहां जाऊं पापा! पापा! मम्मी,मम्मी, मुझे भी साथ ले चलिए लेकिन शेखर ने उसे गाड़ी में नहीं बिठाया और चिल्ला कर कहा कि – मैं तुम्हें बहुत पैसे दे चुका, अब तुम अपने रहने का स्वयं इंतज़ाम कर लो, मैं तुम्हें अपने साथ नहीं ले जाऊंगा।

मैं हतप्रभ सी दोनों को देख रही थी। मैं शेखर पर बिगड़ गई, फिर मैंने उनसे बहुत रिक्वेस्ट की कि ऐसा मत करिए, आख़रि समीर कहां जाएगा? उसे कौन संभालेगा? लेकिन शेखर ने मेरी एक भी नहीं सुनी, उन्होंने गाड़ी स्टार्ट कर दी और समीर को बिलखता छोड़कर रांची रवाना हो गए। मैं सारे रास्ते रोती रही शिखा मुझे टुकुर – टुकुर देखती रही और अपने नन्हे – नन्हे हाथों से मेरे आंसू पोंछने की कोशिश करती रही।मेरे आंसू थे कि रुकने का नाम ही नहीं ले रहे थे, पर शेखर तो जैसे पत्थर के बने हों उनको किसी के आंसू से कोई फ़र्क नहीं पड़ा, अन्ततः हम समीर को सड़क पर अकेला छोड़कर रांची के नए घर पहुंच गए।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

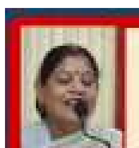

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

पैसा ही सबकुछ नहीं, सब कुछ है व्यवहार।
जिंदगी की सीख यही, हिम्मत तू मत हार।।
हिम्मत तू मत हार, बहुत से लोग मिलेंगे।
भूखा तुमको देख, गरीबी पर भी हँसेंगे।।
कहती रचना आज, आचरण रख तू ऐसा ।
बौनी जिसकी सोच, दिखे उसको बस पैसा।।

अच्छा यह व्यवहार ज्यों, नद में निर्मल नीर।
जग में हर कंगाल की, समझे हिय की पीर।।
समझे हिय की पीर, सहारा हर पल देता।
दीन- हीन को देख, रहे वह हरदम चेता।।
रचना के मन आज, सरल बनने की इच्छा।
क्योंकि यही व्यवहार, हमेशा होता अच्छा।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

एक्सेल एंटरटेनमेंट में यूनिवर्सल म्यूजिक इंडिया का बड़ा कदम, हुई बड़ी पार्टनरशिप की शुरुआत

> देश में 375 मिलियन से अधिक ओटीटी दर्शक और करीब 650 मिलियन स्मार्टफोन यूजर्स हैं, जिससे म्यूजिक और ऑडियो-विजुअल कंटेंट के विकास की अपार संभावनाएं बनती हैं।

यूनिवर्सल म्यूजिक इंडिया (यूएमआई), जो दुनिया की सबसे बड़ी म्यूजिक कंपनी यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप (यूएमजी) का हिस्सा है, ने भारत की जानी–मानी फिल्म और डिजिटल कंटेंट प्रोडक्शन कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ एक अहम रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस डील के तहत एक्सेल एंटरटेनमेंट की वैल्यूएशन 2,400 करोड़ (लगभग 257 मिलियन) तय की गई है, जिसमें यूएमआई को 30 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी। इस समझौते से भारत में यूएमजी की मौजूदगी और मजबूत होगी, वहीं एक्सेल को अपने क्रिएटिव और बिजनेस विस्तार के लिए नया ग्लोबल प्लेटफॉर्म मिलेगा। इस साझेदारी के तहत यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप को एक्सेल एंटरटेनमेंट के स्वामित्व या नियंत्रण वाले सभी भविष्य के प्रोजेक्ट्स के ओरिजिनल साउंडट्रैक्स के ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन और रिलीज अधिकार प्राप्त होंगे। इसके अलावा, दोनों कंपनियां मिलकर एक नया एक्सेल म्यूजिक लेबल भी लॉन्च करेंगी, जिसके गानों को यूएमजी दुनिया भर में डिस्ट्रीब्यूट करेगा। यही नहीं, यूनिवर्सल म्यूजिक पब्लिशिंग ग्रुप को एक्सेल एंटरटेनमेंट का एक्सक्लूसिव म्यूजिक पब्लिशिंग पार्टनर बनाया गया है। इस साझेदारी से यूएमजी और यूएमआई के मौजूदा कलाकारों और क्रिएटर्स को एक्सेल की आने वाली फिल्मों और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में काम करने के नए अवसर मिलेंगे, जिससे म्यूजिक और स्टोरीटेलिंग के बीच का रिश्ता और मजबूत होगा। यूनिवर्सल म्यूजिक इंडिया और साउथ एशिया के चेयरमैन और सीईओ देवराज सान्याल इस समझौते के तहत एक्सेल एंटरटेनमेंट के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल होंगे। हालांकि, एक्सेल के फाउंडर्स रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर कंपनी की क्रिएटिव दिशा और कंटेंट से जुड़े सभी प्रमुख फैसलों का नेतृत्व करते रहेंगे। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने इस साझेदारी पर खुशी जताते हुए कहा कि भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री तेजी से बदल रही है और यह सही समय है कि भारतीय कहानियों को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की जाए। उन्होंने कहा कि यूएमजी के साथ यह सहयोग क्रिएटिव रूप से बेहद प्रेरणादायक और बदलाव लाने वाला साबित होगा, जिससे म्यूजिक, फिल्म और नए फॉर्मैट्स में कलाकारों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। एक्सेल एंटरटेनमेंट के सीईओ विशाल रामचंदानी ने कहा कि यह साझेदारी एक्सेल के सफर में एक बड़ा पड़ाव है। उनका मानना है कि यूएमजी के साथ मिलकर एक्सेल भारतीय कहानियों को वैश्विक दृष्टिकोण से पेश कर सकेगा और कंपनी को एक क्रिएटिव ग्लोबल स्टूडियो के रूप में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। यूएमजी के अफ्रीका, मिडल ईस्ट और एशिया क्षेत्र के सीईओ एडम ग्रेनाइट ने कहा कि यह निवेश भारत जैसे तेजी से बढ़ते और रणनीतिक रूप से अहम म्यूजिक मार्केट में यूएमजी की स्थिति को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि ओरिजिनल साउंडट्रैक्स भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री का अहम हिस्सा हैं और एक्सेल के साथ साझेदारी से यूएमजी को प्रोजेक्ट्स के शुरुआती चरण से ही क्रिएटिव प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर मिलेगा। देवराज सान्याल ने कहा कि फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने एक मजबूत और प्रभावशाली क्रिएटिव बिजनेस खड़ा किया है और यूएमजी उनके अगले विकास चरण में साझेदार बनकर गर्व महसूस कर रहा है। गौरतलब है कि आईएफपीआई के अनुसार भारत दुनिया का 15वां सबसे बड़ा रिकॉर्डेड म्यूजिक मार्केट है। देश में 375 मिलियन से अधिक ओटीटी दर्शक और करीब 650 मिलियन स्मार्टफोन यूजर्स हैं, जिससे म्यूजिक और ऑडियो–विजुअल कंटेंट के विकास की अपार संभावनाएं बनती हैं। 1999 में स्थापित एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अब तक 40 से ज्यादा फिल्में और ओरिजिनल सीरीज बनाई हैं और 60 से अधिक इंडस्ट्री अवॉर्ड्स जीते हैं। 'दिल चाहता है', 'लक्ष्य', 'डॉन', 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा', 'गली बॉय', 'मिर्जापुर' और 'मेड इन हेवन' जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए एक्सेल ने भारतीय सिनेमा और डिजिटल कंटेंट को नई पहचान दी है। यह साझेदारी म्यूजिक और सिनेमा के संगम से भारतीय कंटेंट को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

पति अभिषेक और बेटी आराध्या संग न्यू ईयर वेकेशन से अपने देश लौटी ऐश्वर्या राय, वीडियो में दिखा फैमिली बॉन्ड

एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय पिछले साल यानी 2025 के अंत में पति अभिषेक बच्चन और बेटी आराध्या बच्चन संग न्यू ईयर वेकेशन के लिए न्यूयॉर्क रवाना हुई थीं, जहां तीनों ने जमकर नए साल का जश्न मनाया। वहीं, अब यह फैमिली न्यू ईयर वेकेशन के बाद अपने वतन यानी इंडिया वापस लौट आई है। हाल ही में एक्ट्रेस को उनके पति और बेटी संग एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। एयरपोर्ट लुक की बात करें तो इस दौरान ऐश्वर्या, अभिषेक और आराध्या तीनों ही ब्लैक कलर के आउटफिट्स में नजर आए। ब्लैक ट्रैक पैंट और स्वेटशर्ट में तीनों की ट्विनिंग फैंस को काफी पसंद आई। अभिषेक और ऐश्वर्या ने एक जैसी ब्लैक कैप पहनी, जिससे उनका कोऑर्डिनेटेड लुक और भी स्टाइलिश लगा। इस दौरान अभिषेक आगे–आगे नजर आए, जबकि ऐश्वर्या और आराध्या उनके पीछे दिखीं। वीडियो में तीनों बेहद रिलैक्स्ड और खुश मूड में दिखाई दिए। खास तौर पर अभिषेक को पत्नी ऐश्वर्या और बेटी आराध्या के साथ हंसी–मजाक करते देखा गया। इससे साफ था कि परिवार ने क्रिसमस और न्यू ईयर की छुट्टियां बेहद सुकून और खुशी के साथ बिताईं। वीकेंड के दौरान न्यूयॉर्क से ऐश्वर्या और अभिषेक के कई वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। इन क्लिप्स में ऐश्वर्या फैंस के साथ पोज देती नजर आई थीं। वहीं अभिषेक भी फैंस के साथ तस्वीरें खिंचवाते और कैमरे के सामने अपनी चिर–परिचित मुस्कान बिखेरते दिखे थे। काम की बात करें तो अभिषेक बच्चन इन दिनों शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'किंग' की तैयारी में जुटे हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में वह निगेटिव रोल निभाते नजर आ सकते हैं। फिल्म में सुहाना खान, दीपिका पादुकोण और रानी मुखर्जी जैसे बड़े सितारे भी अहम भूमिकाओं में शामिल हैं और इसे इसी साल रिलीज किए जाने की संभावना है। वहीं ऐश्वर्या राय फिलहाल फिल्मों से दूर हैं और उनकी अगली फिल्म को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

अपने बर्थडे पर दीपिका ने शुरू की नई पहल, लॉन्च किया द ऑनसेट प्रोग्राम, नए कलाकारों का पूरा होगा सपना

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का आज बर्थडे है। 5 जनवरी को एक्ट्रेस अपना 40वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। वहीं, अपने जन्मदिन के खास मौके पर दीपिका ने युवा क्रिएटिव टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए एक नई पहल शुरू की है। एक्ट्रेस ने सच्ची कहानियों और नए टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए 'द ऑनसेट प्रोग्राम' की शुरुआत का ऐलान किया है। 'द ऑनसेट प्रोग्राम' दीपिका पादुकोण के क्रिएट विद मी प्लेटफॉर्म का अगला कदम है, जिसका मकसद ऐसे नए क्रिएटिव आर्टिस्ट्स को मौका देना है जो इंडियन फिल्म, टीवी और विज्ञापन की दुनिया में अपना करियर बनाना चाहते हैं, ऐसे में उनकी टैलेंट देखी जाए, सुनी जाए और सही मायनों में सामने आ सके इसलिए यह प्लेटफॉर्म बनाया गया है। दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, "पिछले एक साल से मैं देश और उसके बाहर से बेहतरीन क्रिएटिव टैलेंट को पहचानने और उन्हें देखने, सुनने और अनुभव करने का मंच देने को लेकर बहुत गहराई से महसूस कर रही हूं। द ऑनसेट प्रोग्राम के लॉन्च का ऐलान करते हुए मैं बेहद खुश हूं और अगली पीढ़ी के क्रिएटिव टैलेंट से आप सभी को मिलवाने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।"

यह प्रोग्राम जहां अच्छे और होनहार लोगों को सीखने के मौके देगा, वहीं उन लोगों के लिए भी आगे बढ़ने का मंच बनेगा जिनके पास अपने प्रोजेक्ट को संभालने का अनुभव और हुनर है। इसके पहले चरण में लिखना, निर्देशन, कैमरा, लाइट, एडिटिंग, साउंड, आर्ट, कपड़ों की डिजाइन, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप और प्रोडक्शन जैसे काम शामिल होंगे।

रितेश देशमुख ने रवींद्र चव्हाण की टिप्पणी पर कहा, मेरे पिता का नाम कभी नहीं मिटाया जा सकता

बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण द्वारा उनके दिवंगत पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख को लेकर की गई टिप्पणी पर भावुक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि उनके पिता का नाम नहीं मिटाया जा सकता। बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण द्वारा उनके दिवंगत पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख को लेकर की गई टिप्पणी पर भावुक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि उनके पिता का नाम नहीं मिटाया जा सकता। अभिनेता ने एक वीडियो बयान में कहा, "मैं हाथ जोड़कर कहना चाहता हूं जो लोग जनता के लिए जीते हैं, उनके नाम लोगों के दिल में गहरी छाप छोड़ जाते हैं। लिखे हुए को मिटाया जा सकता है, लेकिन गहरी छाप को नहीं।" सोमवार को एक विवादित टिप्पणी में चव्हाण ने कहा था कि दिवंगत कांग्रेस के दिग्गज नेता विलासराव देशमुख की यादें उनके गृह नगर लातूर से "मिटा दी जाएंगी"। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चव्हाण ने कहा था, "आपका उत्साह देखकर मैं सौ फीसदी भरोसे से कह सकता हूं कि विलासराव देशमुख की यादें इस शहर (लातूर) से मिट जाएंगी।" इन टिप्पणियों की कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की और भाजपा पर राज्य के विकास के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले नेता के योगदान को कमतर आंकने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि इस तरह के बयान सत्ता के अहंकार और देशमुख की विरासत के प्रति अज्ञानता को दर्शाते हैं।

गहरी होगी विपुल अमृतलाल शाह की बियॉन्ड द केरल स्टोरी की कहानी

विपुल अमृतलाल शाह और सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड ने अपनी सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्म द केरल स्टोरी 2, जिसका आधिकारिक टाइटल बियॉन्ड द केरल स्टोरी है, की रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। यह फिल्म 27 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। एक बार फिर यह कहानी असली जिंदगी से जुड़ी सच्ची बातें दिखाती है। इसमें असली पीड़ितों की आवाज, सबके सामने होते हुए भी छिपी सच्चाइयाँ और हमारे ही आसपास की कहानियाँ सामने आती हैं। नई कलाकारों को मुख्य किरदारों में लिया गया है, जिनका अभिनय बहुत सरल, सच्चा और भारत की जमीनी हकीकत से जुड़ा हुआ लगता है। सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड ने फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान करते हुए एक मोशन पोस्टर शेयर किया। पोस्टर पर लिखा था। 2023 में रिलीज हुई द केरल स्टोरी ने पूरे देश में खूब चर्चा बटोरी थी और बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट सिनेमेटोग्राफी के लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीता था। वहीं बियॉन्ड द केरल स्टोरी एक बार फिर मजबूत कहानी लेकर आने वाली है, जो कहानी और बड़े स्तर पर पहले से भी ज्यादा असरदार होगी। हाल के समय में सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फ्रेंचाइज में शामिल बियॉन्ड द केरल स्टोरी को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है और इसे 2026 की सबसे बड़ी सिनेमाघर रिलीज में से एक माना जा रहा है। इस बार यह फिल्म भारत के अलग–अलग हिस्सों की सच्ची कहानियों पर आधारित है। विपुल अमृतलाल शाह के बैनर सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड के तहत बनी बियॉन्ड द केरल स्टोरी का डायरेक्शन नेशनल अवॉर्ड विनर कामाख्या नारायण सिंह ने किया है और इसे आशीष ए शाह ने को–प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 27 फरवरी 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

कैलोरी डेफिसिएट डाइट लेते समय इन चीजों को न कर अनदेखा, वेट लॉस की जर्नी पर पड़ सकती हैं भारी

आजकल लोग बढ़ते वजन के कारण काफी ज्यादा परेशान रहते हैं। वहीं वेट लॉस करने के लिए लोग कई तरीके भी अपनाते हैं। लेकिन कई बार अच्छा रिजल्ट न मिलने पर निराश होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि खानपान पर ध्यान देना सबसे ज्यादा जरूरी होता है। इसी वजह से वजन कम करने के लिए कैलोरी डेफिसिएट डाइट लेना अच्छा माना जाता है। इस डाइट को फॉलो कर आप आसानी से वेट कम कर सकते हैं। क्योंकि इस तरह से आप शरीर की जरूरत के मुताबिक कुछ कम कैलोरी लेते हैं। जिससे की शरीर पहले से जमी एक्स्ट्रा चर्बी को बर्न कर सके। कैलोरी डेफिसिएट डाइट के जरिए वेट लॉस में काफी अच्छा रिजल्ट देखने को मिलता है। हांलाकि कई बार आप वैसा रिजल्ट नहीं हासिल कर पाते हैं, जिसकी आपको चाहत होती है। इसके पीछे का कारण यह है कि आप कैलोरी डेफिसिएट डाइट फॉलो करते समय कुछ गलतियां कर बैठते हैं। ऐसे में अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं कैलोरी डेफिसिएट डाइट को अच्छे से फॉलो करना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि अक्सर लोग इस दौरान कौन सी गलतियां करते हैं।

अनरियलिस्टिक गोल

कैलोरी डेफिसिएट डाइट लेने के दौरान लोग जो सबसे बड़ी गलती करते हैं, वह यह है कि लोग खुद के लिए अनरियलिस्टिक गोल सेट कर लेते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वह जल्दी वेट लॉस करना चाहते हैं। इसलिए वह कैलोरी इनटेक को एकदम से आधा कर देते हैं। लेकि ऐसा करने से उनका शरीर अच्छे से फंक्शन नहीं कर पाता है। जिस कारण उनको मतली, थकान और चक्कर आदि आने लगते हैं।

कैलोरी इनटेक को ट्रैक

इसके अलावा दूसरी जो गलती लोग अक्सर करते हैं, वह यह है कि हम अपनी कैलोरी इनटेक को ट्रैक नहीं करते हैं। हम अंदाज से खाते हैं, लेकिन इस तरह से आप अपनी कैलोरी का सही काउंट नहीं पता कर पाते। ऐसे में जब आप कहीं बाहर खाना खाते हैं, फिर नाश्ता करते हैं। तो कैलोरी इनटेक को काउंट कर पाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। वहीं कैलोरी इनटेक को काउंट न करने से आपका वेट लॉस का प्रोसेस बिगड़ जाता है। इससे बचने के लिए आप ऑनलाइन ट्रैकर, डायरी या फिर किसी एप की मदद ले सकते हैं।

मैक्रोन्यूट्रिएंट बैलेंस

कैलोरी डेफिसिएट डाइट फॉलो करने के दौरान लोगों का पूरा ध्यान दिनभर में ली जाने वाली कैलोरी पर होता है। लेकिन बता दें कि इस तरह से आप वजन कम नहीं कर सकते हैं। क्योंकि कैलोरी इनटेक के अलावा आपको मैक्रोन्यूट्रिएंट जैसे– कार्ब्स, प्रोटीन और फैट आदि के बैलेंस पर भी ध्यान देना चाहिए। क्योंकि कम प्रोटीन वाला खाना खाने से आपकी मसल्स लॉस और स्लो मेटाबॉलिज्म की समस्या भी हो सकती है।

मील स्किप करना

ज्यादातर लोग जो वेट लॉस के लिए कैलोरी डेफिसिएट डाइट लेते हैं, वह अपनी मील्स को स्किप कर देते हैं। इसका कारण होता है कि वह अपने कैलोरी काउंट को कम कर सकें। लेकिन बता दें कि ऐसा करना आपकी सेहत के लिहाज से सही नहीं माना जाता है। ऐसे में अगर आप अगले मील को ओवरईट करते हैं या फिर इससे आपका मेटाबॉलिज्म स्लो हो सकता है। इसलिए कभी भी मील को स्किप करने की गलती नहीं करनी चाहिए। आप अपनी डाइट में पोषक तत्वों से युक्त खाना ले सकते हैं। साथ ही इस डाइट के पोर्शन साइज पर नजर बनाए रख सकते हैं।

क्या आपके हाथ-पैर भी सर्दी आते ही सुन्न होने शुरू हो जाते हैं?

सर्दी शुरू होते ही बहुत से लोगों के हाथ–पैर सुन्न होने शुरू हो जाते हैं, चींटिया काटने और गुदगुदी होने जैसा महसूस होता है। जिसे हम अक्सर ही एक आम सी समस्या मान लेते हैं लेकिन अगर ऐसा बार–बार हो रहा तो इस ओर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि यह कोई बड़ी समस्या का संकेत भी हो सकते हैं चलिए आपको सुन्नपन होने के कुछ कारण बताते हैं।

क्यों होता है हाथ–पैर में सुन्नपन

इसका बड़ा कारण वेसल्स यानि रक्त वाहिनियों का संकुचित होना है क्योंकि सर्दी में दिल पर जोर पड़ता है जिससे रक्त वाहिनियां सिकुड़ना शुरू हो जाती और बाकी अंगों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम होने लगती है और जब अंगों तक ब्लड सर्कुलेशन सहीं से नहीं होता तो बॉडी पार्ट्स सुन्न होने लगते हैं। अगर ये सुन्न पन ठंड के चलते होता है तो आपको कुछ उपाय बताते हैं जिससे आपकी ये समस्या तुरंत दूर हो जाएगी लेकिन ये खून की कमी और नसों में ब्लॉकेज की वजह से भी ये हो सकती है जो बड़ी वजह है।

1. अनीमिया के चलते भी हाथ–पैर होते हैं सुन्न

अगर शरीर में खून की कमी है तो भी हाथ पैरों में झुनझुनाहट रहती हैं इसलिए डाइट में आयरन–कैल्शियम भरपूर लें। खून बनाने वाले आहार जैसे गाजर, सेब, अनार, चकुंदर खाएं। सुखे मेवे में अंजीर, बादाम, अखरोट, किशमिश खाएं। रात को किशमिश पानी में भिगोकर रखे और सुबह पानी समेत इससे खाए। खून की कमी दूर होगी।

2. नसों में ब्लॉकेज

नस ब्लॉकेज होने पर भी हाथ–पैर सुन्न होने लगते हैं। नसों की ब्लॉकेज की समस्या आ रही हैं तो लहसुन–अदरक का सेवन अधिक करें। यह नसों की अंदरूनी सफाई करता है। गर्म पानी, ग्रीन टी, तुलसी–दालचीनी का काढ़ा आदि पीएं। इससे भी नसों की सफाई होती रहती हैं और अंदरूनी गर्माहट बनी रहती हैं।

जिन लोगों को नसों में ब्लॉकेज की समस्या हो रही है उन्हें लहसुन वाला दूध भी पीना चाहिए।दूध और लहसुन आपकी शरीर की सारी बंद नसें खोल देगा। अगर नसों में दर्द है तो भी आपको आराम मिलेगा। नसों में ब्लॉकेज का एक बड़ा कारण धूम्रपान भी है। तो अब तो आप जान गए होंगे कि हाथ पैर की सुन्नपन और नसों को ब्लॉकेज से कैसे बचाना है। पैकेज अच्छा लगा तो इसे लाइक और शेयर करना ना भूलें। अगर सर्दी की वजह से हो रही है सुन्नपन तो ये उपाय करें।

3. हाथों पैरों की गर्म तेल से मसाज

सुन्नपन को दूर करने का बेस्ट तरीका मसाज है। जैतून, नारियल, तिल या सरसों का तेल हल्का गर्म करें और फिर अच्छे से हाथ पैर व शरीर के जरूरी अंगों की मालिश करें।

4. हल्दी वाला दूध

सर्दी के मौसम में हल्दी वाला दूध जरूर लें। हल्दी, ब्लड सर्कुलेशन को सही रखने में बेहद मददगार होती है। इससे दर्द और सूजन से भी आराम मिलता है। इसलिए सब्जी के रूप में या दूध में डालकर इसका सेवन कर सकते हैं लेकिन हल्दी वाला दूध भी जरूरत अनुसार करें।

5. गर्म पानी से सिंकाई

ब्लड सर्कुलेशन सही करने के लिए गर्म पानी की सिंकाई भी बेस्ट है। इससे मांसपेशियों और नसों को आराम मिलता है। आप गर्म पानी बोतल या फिर हीट बैग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

6. डाइट में विटामिन लें

डाइट में विटामिनस का अहम रोल हैं। विटामिन बी, बी6 और बी12 लें। दूध,पनीर दही मेवा केला बींस ओटमील आदि लें।

7. एक्सरसाइज भी करें

सर्दी में लोग एक्सरसाइज कम करते हैं जिससे ब्लड सर्कुलेशन कम होता है लेकिन ब्लड सर्कुलेशन सही रखने के लिए हलकी फुल्की एक्सरसाइज, सैर व योग करते रहें।

फोन चलाना नहीं छोड़ पा रहे बच्चे तो ये गलतियां हो सकती हैं जिम्मेदार

पहले जमाने में जहां बच्चे खिलौने से खेलना पसंद करते थे आज वहीं बदलते समय और तकनीक के साथ बच्चों के हाथों में मोबाइल की जगह फोन दिख रहे हैं। स्मार्टफोन, टीवी, लैपटॉप जैसी चीजों के बच्चे इतने ज्यादा आदि हो गए हैं कि इसके कारण उन्हें मोटापा, डिप्रेशन, कमजोर आईसाइट जैसी समस्याएं हो रही हैं। हालांकि इन सभी में बच्चों के साथ–साथ कहीं न कहीं पेरेंट्स भी जिम्मेदार हैं। क्योंकि पेरेंट्स अपने बच्चों से ही कई सारी बातें सीखते और करते हैं। आज आपको कुछ ऐसी गलतियां बताते हैं जिनके कारण आपके बच्चे फोन के आदि हो रहे हैं।

ज्यादा फोन इस्तेमाल करना

यदि आप खुद फोन ज्यादा इस्तेमाल करते हैं तो बच्चों को फोन से कैसे दूर रख सकते हैं। क्योंकि आपको देखकर ही बच्चे अच्छी और बुरी आदतें सीखेंगे। यदि आप खुद सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं या फिर बच्चों के सामने फोन का इस्तेमाल करते हैं तो बच्चे भी ऐसे ही करेंगे। ऐसे में यदि आप चाहते हैं कि बच्चे फोन से दूर रहें हैं तो उन्हें फोन देने का एक समय रखें। जब बच्चे आपके आस–पास हों तो उन्हें समय दें और फोन को एक तरफ रख दें।

खुद फोन दे देना

एक्सपर्ट्स की मानें तो बच्चे को किसी भी चीज से दूर रखने के लिए उसे लालच देना ठीक नहीं है। हालांकि ज्यादातर पेरेंट्स बच्चों को कंट्रोल रखने के लिए यही तरीका आजमाते हैं। पेरेंट्स बच्चों की जिद्द पूरी करने के लिए उन्हें फोन चलाने के लिए दे देते हैं। हालांकि बच्चे आगे चलकर जिद्दी बन जाते हैं और बात भी नहीं मानते। इसलिए यदि उन्हें स्क्रीन से होने वाले नुकसान के बारे में बताएं। अपनी बात मनवाने के लिए बच्चों को लालच बिल्कुल भी न दें। ज्यादा स्क्रीन पर समय बिताने के कारण बच्चों पर बुरा असर हो सकता है।

बच्चे को एक्टिविटीज न करवाना

पेरेंट्स बच्चों के बोर होने पर उन्हें हाथ में फोन पकड़ा देते हैं या फिर टीवी चला देते हैं लेकिन यह आदत सही नहीं है इसके कारण बच्चों की आंखों पर बुरा असर पड़ता है। फोन की जगह आप बच्चे से इंडोर एक्टिविटीज करवाएं। इसके अलावा आप चाहें तो बच्चों को ऐसी मेमोरी गेम्स करवा सकते हैं जिससे उनका दिमाग विकसित हो।

बच्चों को समय न दे पाना

जब पेरेंट्स बच्चों को समय न दें तो भी वह अपना समय बिताने के लिए तरीका ढूंढ लेते हैं। लेकिन सही परवरिश वही है जिसमें आप बच्चों को समय दें। ये अच्छी परवरिश की तरफ ही पहला कदम होता है। बच्चों को यदि आप समय नहीं देंगे तो वह ऐसी आदतों के शिकार हो जाएंगे जो उनके लिए हानिकारक हो सकती हैं। पेरेंट्स के समय न देने के कारण ही बच्चे मोबाइल फोन के आदि हो सकते हैं।

रोजाना कैस्टर ऑयल लगाने से गुलाबी हो जाएंगे काले होंठ, जानिए कैसे करें अप्लाई

फेस पर कैस्टर ऑयल लगाने से कील–मुंहासे, एलर्जी और दाग–धब्बे की शिकायत नहीं होती हैं। कई लोगों के होंठ काले हो जाते हैं। ऐसे में रोजाना होंठों पर इस तेल को लगाने से लिप्स कोमल व गुलाबी होते हैं।

सभी लोगों की लगभग यही चाहत होती है कि उनके बाल और त्वचा अच्छे हों। साथ ही आपने यह भी देखा होगा कि लोग बालों और त्वचा पर अरंडी का तेल लगाते हैं। तो वहीं कुछ लोग इसका सेवन भी करते हैं। क्योंकि अरंडी कई चीजों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद मानी जाती है। इसमें कई जरूरी पोषक तत्व और औषधीय गुण पाए जाते हैं। अरंडी में ओमेगा–6 और 9 जैसे हेल्दी फैट्स भी पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन ई की भी अच्छी खासी मात्रा पायी जाती है। वहीं अरंडी के तेल में एंटी–बैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटी–इन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। इसके सेवन से इम्यूनिटी मजबूत होती है और पेट संबंधी समस्याएं भी नहीं होती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि फेस पर अरंडी का तेल लगाने से कील–मुंहासे, एलर्जी और दाग–धब्बे की शिकायत नहीं होती हैं। साथ ही रोजाना होंठों पर इस तेल को लगाने से होंठ कोमल व गुलाबी होते हैं। कई लोगों के होंठ काले हो जाते हैं। अगर आपके साथ भी यह समस्या है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होंठों पर अरंडी का तेल लगाने से होने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि इसको किस तरह से लगाना चाहिए।

कैस्टर ऑयल लगाने के फायदे

होंठ नैचुरली मॉइश्चराइज होने के साथ हाइड्रेट रहते हैं।

लिप्स के आसपास की पिगमेंटेशन की समस्या दूर होती है।

डेड स्किन साफ हो जाती है।

ड्राईनेस कम हो जाती है।

कटे–फटे होंठ मुलायम हो जाते हैं।

काले व चपटे होंठ मुलायम व गुलाबी हो जाते हैं।

कैसे करें अप्लाई

होंठों को स्वस्थ व नैचुरली गुलाबी बनाने के लिए आप अरंडी के तेल को सीधे तौर पर होंठों पर अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए आपको अरंडी के तेल की 1–2 बूंद लेनी है। फिर इसे होंठों पर अप्लाई करने के साथ हल्के हाथों से थोड़ी देर मसाज करें। रोजाना ऐसा करने से आपके होंठ मुलायम व गुलाबी हो जाएंगे।

इसके अलावा आपको अरंडी के तेल से बना लिप बाम भी मार्केट में आसानी से मिल जाएगा। या फिर आप इस तेल से घर पर आसानी से लिप बाम बना सकती हैं। इसके लिए आपको एक पैन में शिया बटर का छोटा से टुकड़ा डालना है। जब यह पिघल जाए, तब इसमें 1 चम्मच अरंडी का तेल, 1 चम्मच अन्य तेल व थोड़ा सा शहद मिलाएं। इस आसान तरीके से आपका लिप बाम बनकर तैयार हो जाएगा। इस लिप बाम को नियमित होंठों पर अप्लाई करने से आपके होंठ नैचुरली गुलाबी हो जाएंगे।

जब दाऊद से भी नहीं डरे थे कपिल..!

एक टेस्ट नहीं खेलने पर क्यों हुई थी गावस्कर की आलोचना?

नई दिल्ली। कपिल देव सिर्फ एक महान क्रिकेटर नहीं, बल्कि निडर शख्सियत भी थे। शारजाह में दाऊद इब्राहिम को ड्रेसिंग रूम से बाहर निकालने से लेकर एक टेस्ट से बाहर होने पर फैंस का गुस्सा झेलने तक, उनकी जिंदगी कई यादगार किस्सों से भरी रही। उनके रिकॉर्ड्स और साहस ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का अमर नायक बना दिया। भारतीय क्रिकेट को पहला विश्व कप दिलाने वाले महान ऑलराउंडर कपिल देव का नाम सिर्फ रिकॉर्ड्स के लिए नहीं, बल्कि उनकी निडरता और बेबाक स्वभाव के लिए भी जाना जाता है। 6 जनवरी 1959 को चंडीगढ़ में जन्मे कपिल देव आज अपना 67वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर हम आपको उनसे जुड़ा एक ऐसा किस्सा बता रहे हैं, जिसने साबित किया कि कपिल मैदान के अंदर ही नहीं, बाहर भी उतने ही साहसी थे। श्शारजाह ड्रेसिंग रूम कांडश यह वाकया 1987 के शारजाह टूर्नामेंट का है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला अगले दिन खेला जाना था। प्रैक्टिस के बाद भारतीय टीम ड्रेसिंग रूम में मौजूद थी, तभी मशहूर कॉमेडियन महमूद वहां एक शख्स को लेकर पहुंचे। उस व्यक्ति को दिलीप वेंगसरकर के अलावा कोई नहीं पहचान पाया। वह अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम था। महमूद ने खिलाड़ियों से परिचय कराते हुए कहा, श्ये हमारे दोस्त हैं और यहीं बिजनेस करते हैं।श इसके बाद दाऊद ने खिलाड़ियों को ऑफर दिया, श्अगर भारत पाकिस्तान को हरा देता है तो मैं सभी खिलाड़ियों को एक–एक कार गिफ्ट करूंगा।श ड्रेसिंग रूम में सन्नाटा छा गया। खिलाड़ी एक–दूसरे का चेहरा देखने लगे। तभी प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म कर कपिल देव ड्रेसिंग रूम में दाखिल हुए। श्ये कौन है, बाहर चलश कपिल का दो टूक जवाब कपिल देव ने हालात समझते ही पहले महमूद से कहा, श्महमूद साहब, आप जरा बाहर जाइए।श इसके बाद उन्होंने दाऊद की तरफ देखते हुए कहा, श्ये कौन है? चल बाहर चल।श कपिल का यह रुख देखकर दाऊद बिना कोई बहस किए ड्रेसिंग रूम से बाहर चला गया। यह किस्सा वर्षों तक दबा रहा, जिसे 2013 में दिलीप वेंगसरकर ने पहली बार सार्वजनिक किया। कई विवादों के बावजूद कपिल की छवि एक ईमानदार और निडर क्रिकेटर की बनी रही। वह एक टेस्ट जिसने इतिहास बदल दिया कपिल देव का करियर 1978 से 1994 तक फैला रहा, जिसमें उन्होंने 131 टेस्ट खेले। लेकिन एक ऐसा टेस्ट भी रहा, जब उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। यह घटना 1984–85 की इंग्लैंड सीरीज की है। दिल्ली टेस्ट में भारत की हार के बाद कपिल की आक्रामक बल्लेबाजी को जिम्मेदार ठहराया गया। दूसरी पारी में उन्होंने छह गेंदों में सात रन बनाए और छक्का मारने के प्रयास में आउट हो गए। इसके बाद उन्हें कोलकाता टेस्ट के लिए टीम से बाहर कर दिया गया। ईडन गार्डन्स में गूंजे नारे, गावस्कर की सफाई कपिल के बिना टीम देखकर ईडन गार्डन्स में मौजूद दर्शक भड़क उठे। स्टेडियम में नारे लगे।

आयरिश गर्लफ्रेंड से शादी करने जा रहे गब्बर? तारीख और जगह का खुलासा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन फरवरी में अपनी आयरिश गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से दिल्ली–एनसीआर में शादी करने जा रहे हैं। दोनों की मुलाकात दुबई में हुई थी और पिछले एक साल से वे साथ रह रहे हैं। यह शादी उनके जीवन की नई शुरुआत मानी जा रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार ओपनर शिखर धवन अपनी जिंदगी की नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिखर ध्वन फरवरी में अपनी लंबे समय से गर्लफ्रेंड रही सोफी शाइन के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे। यह शादी फरवरी के तीसरे हफ्ते में दिल्ली–एनसीआर में होगी, जिसमें क्रिकेट और बॉलीवुड जगत की कई नामी हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। दिल्ली–एनसीआर में होगी ग्रैंड वेडिंग हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, शादी की तैयारियां जोरों पर हैं। हालांकि कपल ने अभी तक आधिकारिक तौर पर ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। बताया जा रहा है कि यह एक भव्य, लेकिन निजी समारोह होगा, जिसमें सिर्फ करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल होंगे। आयोजन को लेकर सुरक्षा और गोपनीयता पर खास ध्यान दिया जा रहा है। शांति और कृतज्ञता के साथ नई शुरुआत एचटी सिटी से जुड़े एक सूत्र ने बताया, श्यह दोनों के लिए एक नई शुरुआत है और वे इसे शांति, खुशी और कृतज्ञता के साथ जी रहे हैं।श सूत्र के मुताबिक, शिखर धवन खुद शादी की प्लानिंग में सक्रिय रूप से शामिल हैं और चाहते हैं कि यह समारोह उनके जीवन के इस नए दौर को सही मायनों में दर्शाए। कौन हैं सोफी शाइन सोफी शाइन आयरलैंड की नागरिक हैं।

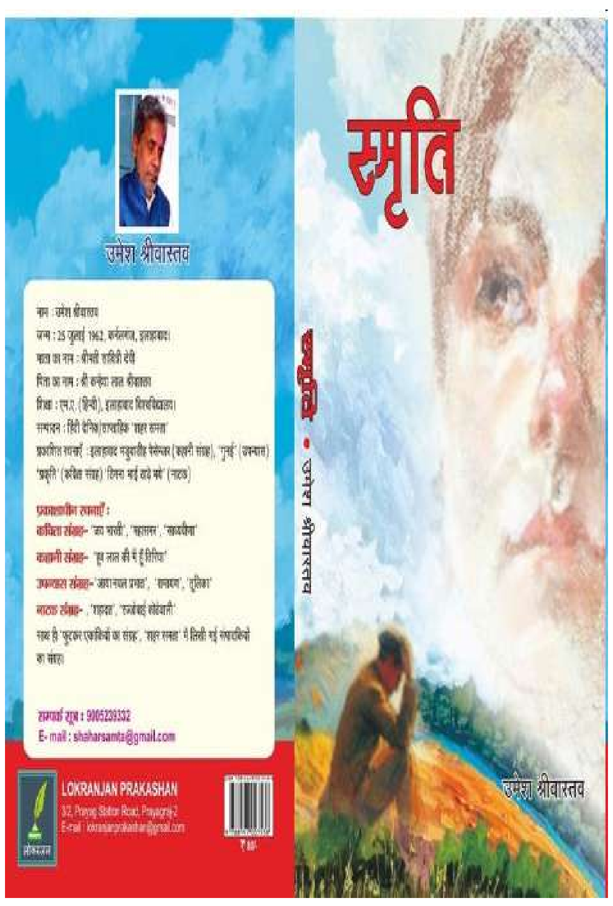

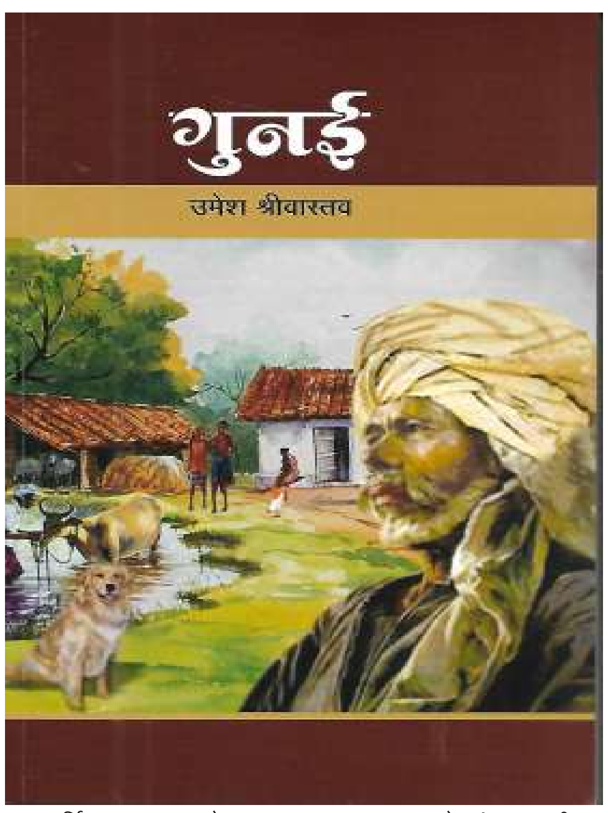

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

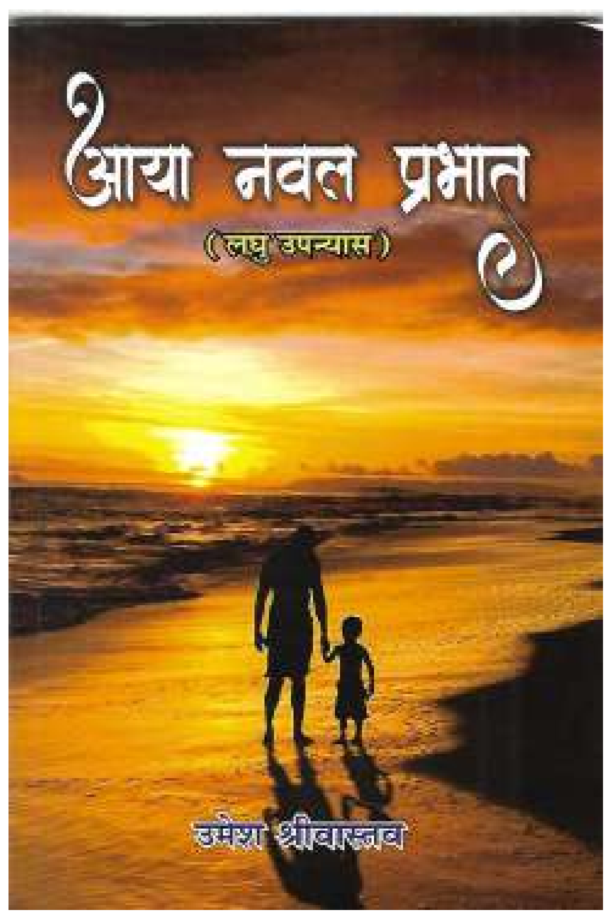

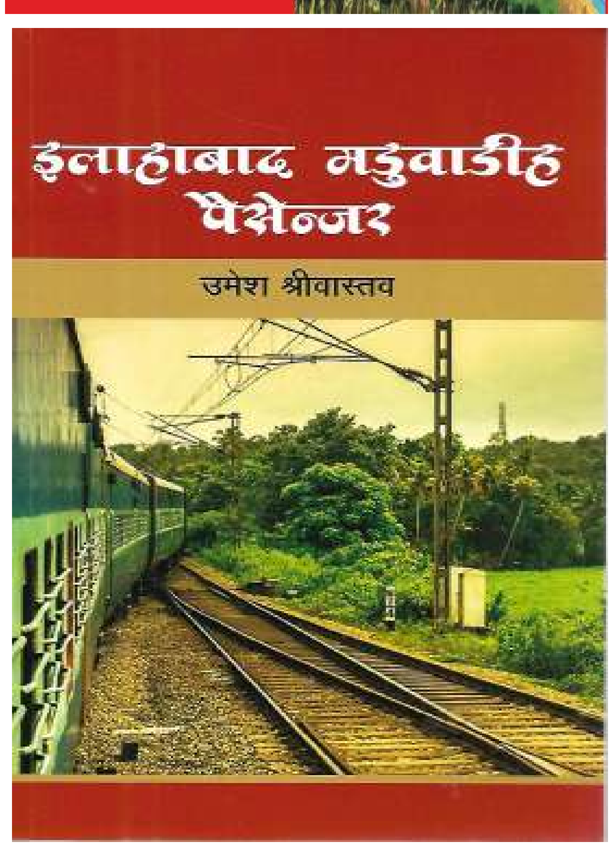

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

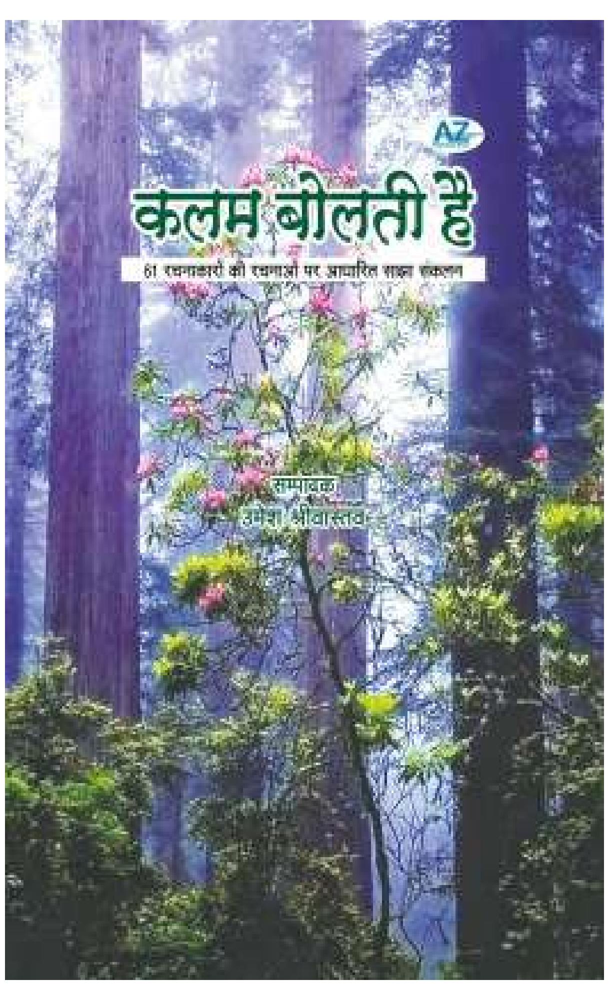

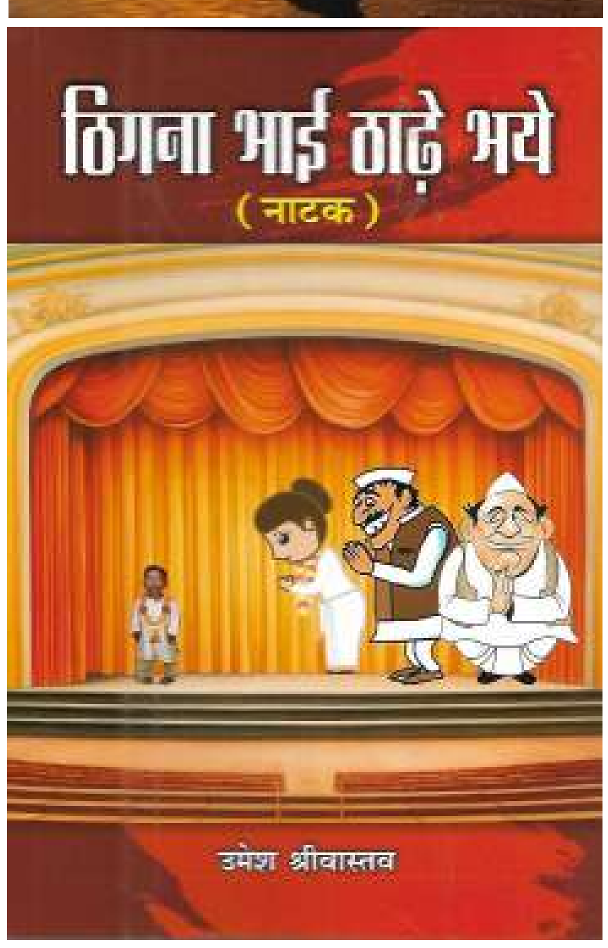

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

युवा स्टार लेनार्ट कार्ल का खुलासा, रियल मैड्रिड में खेलने का सपना

बायर्न म्यूनिख से 2028 तक कॉन्ट्रैक्ट में रह रहे लेनार्ट कार्ल ने रविवार को बर्गसिन कस्बे में फैंस से मुलाकात के दौरान खुलकर स्वीकार किया कि उनका सपना एक दिन रियल मैड्रिड के लिए खेलने का है। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह मुलाकात पूरी तरह अनौपचारिक थी, जहां माइक्रोफोन हाथ में लिए कार्ल समर्थकों के सवालों का जवाब दे रहे थे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या बायर्न के अलावा किसी और क्लब में खेलने का सपना है, तो उन्होंने पहले हल्के अंदाज में कहा कि यह बात यहीं रहनी चाहिए। इसके बाद उन्होंने कहा कि बायर्न एक बहुत बड़ा क्लब है और यहां खेलना अपने आप में सपना है, लेकिन एक दिन रियल मैड्रिड के लिए खेलना उनका सबसे बड़ा सपना है और वही उनका ड्रीम क्लब है। गौरतलब है कि यह बयान गोपनीय नहीं रह सका और तेजी से मीडिया तक पहुंच गया हैं। इस बयान ने इसलिए भी ज्यादा ध्यान खींचा क्योंकि रियल मैड्रिड के प्रति कार्ल का आकर्षण नया नहीं है। पत्रकार सेबास्टियन लिसगांग, जो कार्ल के परिवार के करीबी माने जाते हैं, के अनुसार लेनार्ट कार्ल महज 10 साल की उम्र में रियल मैड्रिड के यूथ ट्रायल सिस्टम का हिस्सा रह चुके हैं। बताया गया कि वर्ष 2018 में जर्मनी के क्षेत्रीय ट्रेनिंग कैंप से आगे बढ़ते हुए कार्ल को मैमिंगेन में आयोजित अगले चरण में बुलाया गया था, जहां बेहतर प्रदर्शन के बाद उन्हें मैड्रिड जाकर सैंटियागो बर्नाबेउ देखने और ट्रायल देने का मौका मिला था हैं। हालांकि उस समय करार संभव नहीं हो सका, लेकिन उस अनुभव ने कार्ल पर गहरी छाप छोड़ी है। फिलहाल स्थिति यह है कि लेनार्ट कार्ल पूरी तरह बायर्न म्यूनिख का हिस्सा हैं और क्लब उन्हें भविष्य की अहम कड़ी मानता है। उनके अनुबंध की अवधि अभी कई साल शेष है और न ही बायर्न की ओर से किसी ट्रांसफर की इच्छा दिखी है और न ही रियल मैड्रिड की तरफ से कोई औपचारिक पसंद सामने आई है।

कैडिलैक का बड़ा दांव, चीनी ड्राइवर झोउ गुआनयू बने टीम के रिजर्व ड्राइवर

चीनी ड्राइवर झोउ गुआनयू को कैडिलैक की नई एफ1 टीम ने अपने डेब्यू सीजन के लिए रिजर्व ड्राइवर के रूप में शामिल किया है, जो 2026 में ग्रिड पर उतरने जा रही है। बता दें कि 26 वर्षीय झोउ पिछले सीजन में फेरारी के साथ रिजर्व ड्राइवर की भूमिका निभा चुके हैं। इससे पहले वह 2022 से 2024 तक अल्फा रोमियो नाम से रेस करने वाली साउबर टीम के लिए बतौर रेस ड्राइवर तीन सीजन तक रेस कर चुके हैं। एफ1 में उनका अनुभव अब कैडिलैक के लिए तकनीकी और रणनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, झोउ 2026 में कैडिलैक के रेस ड्राइवर्स वाल्तेरी बोटास और सर्जियो पेरेज के सपोर्ट रोल में रहेंगे। गौरतलब है कि दोनों ड्राइवर एक साल के ब्रेक के बाद एफ1 ग्रिड पर वापसी कर रहे हैं। बोटास पहले अल्फा रोमियो में झोउ के टीम–मेट भी रह चुके हैं, जिससे टीम के भीतर तालमेल पहले से मजबूत माना जा रहा है। कैडिलैक की ड्राइवर सूची में अमेरिकी रेसिंग से जुड़ा एक और नाम भी शामिल है। पूर्व इंडीकार ड्राइवर कॉल्टन हर्टा फिलहाल फॉर्मूला–2 में रेसिंग कर रहे हैं, ताकि आवश्यक लाइसेंस पॉइंट्स हासिल कर एफ1 सुपर लाइसेंस के लिए योग्य बन सकें। टीम का दीर्घकालिक इरादा हर्टा को भविष्य में एफ1 रेस ड्राइवर के रूप में तैयार करने का है। झोउ गुआनयू, जिनका प्रबंधन खुद कैडिलैक टीम प्रिंसिपल ग्रेम लोउडन करते हैं, ने कहा है कि यह परियोजना खेल के इतिहास की सबसे रोमांचक नई पहलों में से एक है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रेम लोउडन और वाल्तेरी बोटास के साथ वर्षों से काम करने का अनुभव रहा है, इसलिए इस टीम में शामिल होना परिवार में लौटने जैसा महसूस होता है। टीम प्रिंसिपल ग्रेम लोउडन के अनुसार, कैडिलैक ऐसे ड्राइवर की तलाश में थी, जिसके पास हालिया एफ1 अनुभव हो, जो पूरे सीजन कार डेवलपमेंट की चुनौतियों को समझता हो और टीम के साथ कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हो। उनके मुताबिक झोउ इन सभी मानकों पर पूरी तरह फिट बैठते हैं और 2026 की तैयारी में टीम के लिए एक मजबूत संपत्ति साबित होंगे। गौरतलब है कि कैडिलैक शुरुआती वर्षों में फेरारी के इंजन का इस्तेमाल करेगी। कंपनी ने पुष्टि की है कि उत्तरी कैरोलिना के शार्लट स्थित अपने इन–हाउस बेस में विकसित किया जा रहा एफ1 इंजन 2029 तक रेसिंग के लिए तैयार हो जाएगा। कैडिलैक, जो अमेरिकी ऑटोमोबाइल दिग्गज जनरल मोटर्स का हिस्सा है, इस प्रोजेक्ट को लंबे समय के निवेश के रूप में देख रही है।

वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी से भारत मजबूत

बेनोनी के विलोमूर पार्क में खेले जा रहे इस मैच की शुरुआत करीब एक घंटे की देरी से हुई, क्योंकि मैदान पर हल्की बारिश और बिजली चमकने की स्थिति बनी हुई थी। बता दें कि मौसम के कारण मुकाबले को 50 ओवर की बजाय 42–42 ओवर का कर दिया गया है और डकवर्थ–लुईस नियम के तहत भारत को जीत के लिए 230 रनों का टारगेट मिला। खबर लिखे जाने तक भारत ने दो विकेट के नुकसान पर संभलकर खेलते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ना शुरू किया है, जहां वेदांत त्रिवेदी और अभिग्यान कुंडू क्रीज पर मौजूद रहे। गौरतलब है कि इस मुकाबले में भारत की सबसे बड़ी ताकत एक बार फिर 14 वर्षीय बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी बने। वैभव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 24 गेंदों पर 68 रन ठोक दिए। उनकी इस पारी में 10 शानदार छक्के और एक चौका शामिल रहा, जिससे भारत की रन गति शुरुआत से ही तेज बनी रही। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका अंडर–19 की टीम 245 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके विकेट नियमित अंतराल पर गिरते चले गए। हालांकि जेसन रोउल्स ने एक छोर संभाले रखा और शानदार शतक जड़ते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया है। रोउल्स ने 114 रनों की अहम पारी खेली, जिससे दक्षिण अफ्रीका 200 के पार पहुंचने में सफल रहा। मौजूद जानकारी के अनुसार भारत की ओर से किशन कुमार सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने चार विकेट अपने नाम किए हैं, जबकि आरएस अंबरीश को दो सफलताएं मिली हैं।

संक्षिप्त

ट्रंप हुए वेनेजुएला में व्यस्त, पेरिस में यूक्रेन के सहयोगी देशों की शांति वार्ता अधर में लटकी

पेरिस,एजेंसी। रूस के साथ संभावित युद्धविराम के बाद यूक्रेन की सुरक्षा तय करने में मदद करने वाली महत्वपूर्ण वार्ता के लिए सहयोगी देश मंगलवार को पेरिस में मिल रहे हैं। हालांकि, ट्रंप प्रशासन का ध्यान वेनेजुएला की ओर होने के

चलते प्रगति की संभावना अनिश्चित है। अमेरिका के वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने से पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कथित श्इच्छुक देशों के गठबंधनश की नई बैठक के बारे में आशा जताई थी। ये देश कई महीनों से इस बात पर विचार कर रहे हैं कि अगर रूस यूक्रेन से लड़ना बंद करने पर सहमत हो जाता है, तो भविष्य में किसी भी रूसी आक्रमण को कैसे रोका जाए। 31 दिसंबर को अपने संबोधन में मैक्रों ने कहा कि सहयोगी देश शिखर सम्मेलन में यूक्रेन की रक्षा करने और न्यायपूर्ण और स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाएंगे। मैक्रों के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि बैठक में बड़ी संख्या में अधिकारी निजी तौर पर मौजूद होंगे, जिनमें 27 राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों सहित 35 प्रतिभागी शामिल हैं। अमेरिका का प्रतिनिधित्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर करेंगे। मैक्रों के कार्यालय ने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व शुरू में विदेश मंत्री मार्को रुबियो करने वाले थे, जिन्होंने वेनेजुएला में सैन्य हस्तक्षेप से संबंधित कारणों से अपनी योजना बदल दी।

लेबनान के कई इलाकों में इस्राइल का ड्रोन हमला, निरस्त्रीकरण बैठक से पहले हिज्बुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई

सीदोन,एजेंसी। इस्राइल की वायुसेना ने मंगलवार लड़के दक्षिणी और पूर्वी लेबनान के कई इलाकों पर हमला किया, जिसमें देश का तीसरा सबसे बड़ा शहर सीदोन भी शामिल है। मंगलवार तड़के करीब एक बजे हुए हमले में दक्षिणी तटीय शहर सीदोन में एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत ध्वस्त हो गई। यह घटना लेबनान के सेना कमांडर की ओर से इस्राइल के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह को निरस्त्र करने के अपने मिशन पर सरकार को जानकारी देने से कुछ दिन पहले हुई। घटनास्थल पर मौजूद एसोसिएटेड प्रेस के एक फोटोग्राफर ने बताया कि यह इलाका एक व्यावसायिक जिले में था, जिसमें वर्कशॉप और मैकेनिक की दुकानें थीं और इमारत में कोई नहीं रहता था। इस हमले के बाद कम से कम एक व्यक्ति को एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। बचाव दल घटनास्थल पर अन्य लोगों की तलाश कर रहे थे, लेकिन तत्काल किसी की मौत की जानकारी सामने नहीं आई। वहीं, सोमवार को इजरायली सेना ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में कई ठिकानों पर हमला किया। उनका कहना था कि इन ठिकानों पर हिज्बुल्लाह और हमास जैसे आतंकवादी समूहों का बुनियादी ढांचा मौजूद था। ये हमले इस्राइल के सैन्य प्रवक्ता अविचाई अद्राई की ओर से एक्स पर चेतावनी पोस्ट करने के लगभग दो घंटे बाद हुए। इस पोस्ट में उन्होंने कहा था कि सेना पूर्वी बेका घाटी के दो गांवों और दक्षिणी लेबनान के दो अन्य गांवों में हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीनी हमास समूहों के ठिकानों पर हमला करेगी। सीदोन में हुआ बाद का हमला बिना किसी पूर्व सूचना के किया गया था।

जापान में भूकंप के झटकों से कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 6.2 तीव्रता जानमाल का नुकसान नहीं

जापान एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों से सहम गया है। भूकंप की रिक्टर स्केल पर 6.2 तीव्रता मापी गई। सूचना के अनुसार अभी तक किसी तरह से जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। मंगलवार को पश्चिमी जापान में एक शक्तिशाली भूकंप आया, लेकिन सुनामी का कोई खतरा नहीं है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार प्रारंभिक तीव्रता 6.2 वाले इस भूकंप का केंद्र उत्तर पश्चिमी जापान के शिमाने प्रांत में था। भूकंप के झटकों से मात्सुए प्रांत की राजधानी और आसपास के शहर, जिनमें पड़ोसी तोत्तोरी प्रांत के कुछ शहर भी सहम गए। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र तट से लगभग 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर स्थित था, और साथ ही यह भी कहा कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप से किसी के घायल होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। परमाणु नियामक प्राधिकरण ने कहा कि शिमामे परमाणु ऊर्जा संयंत्र और क्षेत्र में स्थित एक संबंधित सुविधा में कोई असामान्यता नहीं पाई गई। जापान तथाकथित प्रशांत अग्नि–वलय क्षेत्र में स्थित है, जो दुनिया के सबसे अधिक भूकंप संभावित क्षेत्रों में से एक है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं थम रही हिंसा

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। उस्मान हादी की हत्या के बाद भड़की हिंसा में 18 दिनों में 6 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। इनमें से दो हत्याएं बीते 24 घंटे में अंजाम दी गई हैं। हैरान करने वाली बात है कि इन हत्याओं के बावजूद बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। बांग्लादेश के नरसिंगदी में सोमवार को एक किराने की दुकान के मालिक शरत चक्रवर्ती मणि की बेरहमी से हत्या कर दी गई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

मादुरों को हटाने से पहले कब-कब अमेरिका ने वेनेजुएला पर तेल भंडार को लेकर दबाव बनाया

अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला करने के बाद राष्ट्रपति निकोलस मदुरो को बंधक बना लिया। यह हमला वेनेजुएला की तरफ से अचानक नहीं किया गया है बल्कि, अमेरिका कई समय से अलग अलग तरीके से इसकी तैयारी कर रहा था। हमले के बाद ट्रंप ने कहा कि अब अमेरिका वेनेजुएला को 'चलाएगा', इसके साथ उनके तेल को भी संसाधित करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला के खराब हो चुके तेल उद्योग को नया करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश करने को तैयार है। वेनेजुएला के पास 303 अरब बैरल का तेल भंडार है। यह दुनिया का सबसे बड़ा तेल और सऊदी अरब से भी ज्यादा है। यह वैश्विक भंडार का लगभग 20 प्रतिशत है। वेनेजुएला में ट्रंप प्रशासन की सैन्य कार्रवाई कई मायनों में अभूतपूर्व थी। लेकिन वेनेजुएला के तेल भंडार

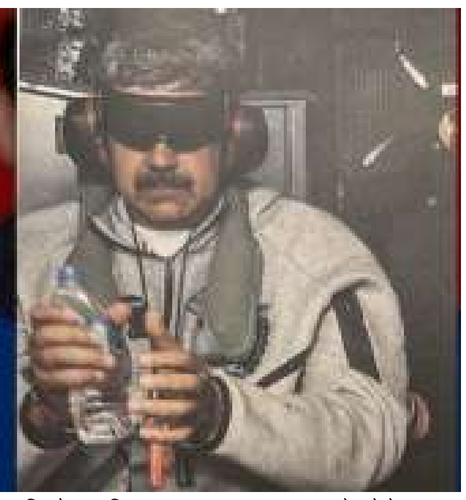

और पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज और मदुरो के साथ अमेरिका के जिस तरह के संबंध थे, उसे देखते हुए यह हैरान करने वाला नहीं था । वेनेजुएला दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट पर स्थित है। यहां की आबादी लगभग 30 अरब है। यह कैलिफोर्निया से लगभग दोगुना है। 20वीं सदी की शुरु में तेल भंडार के कारण यह दक्षिण अमेरिका का सबसे अमीर देश थी।

अमेरिकी कंपनियों सहित विदेशी कंपनियों ने वेनेजुएला के तेल के विकास में भारी निवेश किया। देश की राजनीति में भी उनका बड़ा हाथ था। अमेरिका वेनेजुएला के तेल भंडार को खुद नियंत्रित करना चाहता था। लेकिन मना करने के बावजूद वहां के नेताओं ने मुख्य निर्यात संसाधन को नियंत्रित करना शुरू किया। 1960 में पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन का गठन हुआ। इसमें वेनेजुएला प्रमुख देश बना और 1976 में अपने अधिकांश तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसका अमेरिका की कंपनियों पर बुरा असर पड़ा। इसने ट्रंप प्रशासन के हाल के दावों को हवा दी कि वेनेजुएला ने अमेरिकी तेल चुराया है।

इस राष्ट्रीयकरण के बाद वेनेजुएला को आर्थिक तौर पर कोई फायदा नहीं हुआ। तेल उद्योग के कुप्रबंधन के कारण 1988 में कर्ज संकट और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का हस्तक्षेप हुआ। फरवरी 1989 में काराकास में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे, और सरकार ने विद्रोह को कुचलने के लिए सेना भेज दी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अनुमानित 300 लोग मारे गए।

इसके बाद वेनेजुएला के लोग दो वर्गों में बंट गया। अमीर लोग अमेरिका के साथ काम करना चाहते थे। वहीं मजदूर वर्ग अमेरिका से आजादी चाहता था। इस बंटवारे ने तब से वेनेजुएला की राजनीति को परिभाषित किया है। ह्यूगो शावेज देश के राष्ट्रपति बनने से पहले मिलिट्री ऑफिसर थे। 1980 के दशक में उन्होंने सेना के अंदर समाजवादी गुट बनाया। उन्होंने सरकार के खिलाफ जोशीले भाषण देना शुरू किया। 1989 में सरकार विरोधी दंगो के बाद उन्होंने सरकार गिराने की योजना बनाना शुरू कर दिया। फरवरी 1992 में अमेरिका का समर्थन करने वाले राष्ट्रपति कार्लोस एंड्रेस पेरेज को हटाने की असफल कोशिश की। शावेज को दो साल के लिए जेल हुई, लेकिन 1998 में वह एक समाजवादी क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म पर राष्ट्रपति पद के प्रमुख उम्मीदवार के तौर पर उभरे।

शावेज वेनेजुएला और लैटिन अमेरिकी राजनीति दोनों में एक बड़ी हस्ती बन गए। शावेज न सिर्फ वेनेजुएला में तेल से होने वाली कमाई का इस्तेमाल खाने, स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए सरकारी कार्यक्रमों को सब्सिडी देने के लिए जाने जाते थे। शावेज ने क्यूबा को अरबों डॉलर का तेल दिया, जिसके बदले में हजारों क्यूबा के डॉक्टर वेनेजुएला के हेल्थ क्लीनिक में काम करते थे। अमेरिका शावेज का समर्थक नहीं था। अप्रैल 2002 में हिए तख्तापलट के कारण शावेज को कुछ समय के लिए सत्ता से हटना पड़ा।

डेनमार्क को वेनेजुएला समझने की कोशिश न करे ट्रंप, मेटे फ्रेडरिक्सन की अमेरिकी राष्ट्रपति को दो टूक

कोपेनहेगन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर दिए गए बयान पर डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने सोमवार को करारा हमला बोला और उन्होंने कहा कि डेनमार्क को अमेरिका वेनेजुएला समझने की कोशिश न करे। हम पर हमला करना नाटो मिलिट्री गठबंधन का अंत होगा। वेनेजुएला में मिलिट्री ऑपरेशन के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था कि अब अमेरिका ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की तैयारी में है। उनके इस बयान पर डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने सोमवार को तीखा पलटवार किया और कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का कब्जा नाटो मिलिट्री गठबंधन का अंत होगा। बता दें कि काराकास में अमेरिकी सेना द्वारा नेता निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ने के लिए आधी रात को किए गए ऑपरेशन से पूरी दुनिया हैरान है। अमेरिका के इस कदम से डेनमार्क और ग्रीनलैंड की चिंता बढ़ गई, जो डेनिश साम्राज्य का एक अर्ध–स्वायत्त क्षेत्र है और इस तरह नाटो का हिस्सा है।

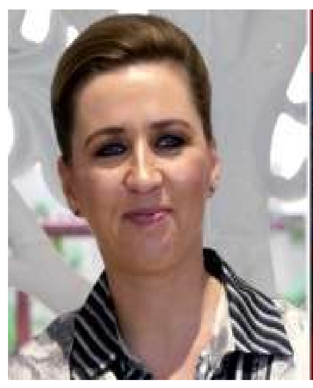

फ्रेडरिकसेन ने सोमवार को डेनिश ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति की ग्रीनलैंड को लेकर दिए गए बयान की कड़ी आलोचना की और विनाशकारी परिणामों की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका किसी दूसरे नाटो देश पर मिलिट्री हमला करने का फैसला करता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। यानी, हमारे नाटो और इस तरह दूसरी दुनिया की जंग खत्म होने के बाद से मिली सुरक्षा भी खत्म हो जाएगी। ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति बनने के दौरान और अपने दूसरे कार्यकाल के शुरुआती महीनों में बार–बार ग्रीनलैंड पर अमेरिका के अधिकार की बात कही, और उन्होंने द्वीप पर कंट्रोल करने के लिए मिलिट्री फोर्स का इस्तेमाल करने से भी इनकार नहीं किया है। रविवार को उनकी टिप्पणियों, जिसमें उन्होंने रिपोर्टर्स से कहा, 'आइए 20 दिनों में ग्रीनलैंड के बारे में बात करते हैं' ने इस डर को और बढ़ा दिया कि अमेरिका भविष्य में ग्रीनलैंड में दखल देने की योजना बना रहा है। फ्रेडरिकसेन ने यह भी कहा कि जब ट्रंप कहते हैं कि वह ग्रीनलैंड चाहते हैं, तो उन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हम ऐसी स्थिति स्वीकार नहीं करेंगे जहां हमें और ग्रीनलैंड को इस तरह से धमकी दी जाए। नीलसन ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ग्रीनलैंड की तुलना वेनेजुएला से नहीं की जा सकती है। उन्होंने अपने समर्थकों से शांत और एकजुट रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा, हम ऐसी स्थिति में नहीं हैं जहां हमें लगता है कि रातों–रात देश पर कब्जा हो सकता है और इसीलिए हम इस बात पर जोर दे रहे हैं कि हम अच्छा सहयोग चाहते हैं। नीलसन ने आगे कहा, हमारी स्थिति ऐसी नहीं है कि अमेरिका आसानी से ग्रीनलैंड पर कब्जा कर ले। वहीं, डेनिश ब्रॉडकास्टर के राजनीतिक पत्रकार आस्क रोस्ट्रुप ने सोमवार को स्टेशन के लाइव ब्लॉग पर लिखा कि मेटे ने पहले ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे के विचार को साफ तौर पर खारिज कर दिया होता। लेकिन अब बयानबाजी इतनी बढ़ गई है कि उन्हें इस संभावना को मानना पड़ रहा है। रविवार को जब ट्रंप फ्लोरिडा में अपने घर से वॉशिंगटन लौट रहे थे, तो उन्होंने पत्रकारों से कहा, ष्यह अभी बहुत रणनीतिक जगह है। ग्रीनलैंड हर जगह रूसी और चीनी जहाजों से घिरा हुआ है। वहीं, ट्रंप ने ग्रीनलैंड की नेशनल सिक्योरिटी को मजबूत करने की डेनमार्क की कोशिशों का मजाक उड़ाया है। उन्होंने कहा कि हमें नेशनल सिक्योरिटी के नजरिए से ग्रीनलैंड की जरूरत है, और डेनमार्क हमें ऐसा करने से रोक नहीं पाएगा। अमेरिकी रक्षा विभाग उत्तर–पश्चिमी ग्रीनलैंड में दूरदराज के पिटुफिक स्पेस बेस का संचालन करता है। इसे डेनमार्क और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच 1951 के रक्षा समझौते के बाद बनाया गया था। यह अमेरिका और नाटो के लिए मिसाइल चेतावनी, मिसाइल रक्षा और अंतरिक्ष निगरानी अभियानों का समर्थन करता है।

डेनमार्क की मुख्य भूमि पर, अमेरिका और डेनमार्क के बीच साझेदारी लंबे समय से चली आ रही है। डेनिश लोग अमेरिकी एफ–35 फाइटर जेट खरीदते हैं और पिछले साल ही, डेनमार्क की संसद ने डेनिश धरती पर अमेरिकी सैन्य अड्डों की अनुमति देने वाले एक बिल को मंजूरी दी थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

बोल्टन बोले- ग्रीनलैंड-वेनेजुएला से जुड़ी नीतियां चिंताजनक, ट्रंप को नोबेल की आस पर कही बड़ी बात

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका की वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई ने पूरी दुनिया सकते में है। निकोलस मादुरो को पकड़कर न्यूयॉर्क ले जाना और उनको न्यायिक दायर में लाने पर विश्व के अलग–अलग देशों की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। इसी के साथ ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर की गई टिप्पणी से नया विवाद खड़ा हो गया है। इधर, अब अमेरिका और कोलंबिया के बीच तनाव बढ़ गया है। ऐसे में मौजूदा घटनाक्रम के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन की कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया सामने आई है। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने कहा कि मुझे लगता है कि मादुरो के मामले में उम्मीद और वास्तविकता यह होनी चाहिए कि हम रूस, चीन और ईरान जैसे बाहरी देशों द्वारा उत्पन्न खतरों को क्यूबा के साथ तालमेल को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं, जो एक और खतरा है। जिसे मादुरो शासन ने वेनेजुएला को एक ऑपरेटिंग बेस के तौर पर इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि वेनेजुएला के लोगों को इस सरकार ने बहुत लंबे समय से दबा रखा है। यही संदेश हमें देना चाहिए। स्पष्ट रूप से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि ट्रंप यही कह रहे हैं, लेकिन मेरा मानना है कि यही असली वजह है कि मादुरो को हटाना और उम्मीद है कि बाकी सरकार को हटाना भी सही है।

वेनेजुएला पर कार्रवाई को लेकर जॉन बोल्टन ने कहा कि मेरा मानना है कि हम अंतरराष्ट्रीय कानून का पूरी तरह से पालन कर रहे थे। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली करके मादुरो के सत्ता पर कब्जे के जवाब में हमें वेनेजुएला के असली विपक्ष का समर्थन मिला, जिसकी पुष्टि वेनेजुएला और अंतरराष्ट्रीय दोनों ही तटस्थ पर्यवेक्षकों ने की है। मुझे लगता है कि इस पृष्ठभूमि को समझना महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई लोग दावा करते हैं कि यह रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण या चीन द्वारा ताइवान पर आक्रमण जैसी कार्रवाइयों के लिए एक मिसाल कायम करता है। ऐसा बिल्कुल नहीं है। हालांकि, समस्या यह है कि ट्रंप आखिरकार सरकार बदलने में कामयाब नहीं हुए। उन्होंने मादुरो को हटा दिया है, लेकिन तानाशाही सरकार अभी भी बनी हुई है। यह भ्रामक है, क्योंकि शनिवार को ट्रंप द्वारा दिए गए बयान में ऐसा प्रतीत हुआ कि वह मादुरो के न रहने पर शासन से निपटने के लिए तैयार हैं।

जॉन बोल्टन ने आगे कहा कि रूस इस गोलार्ध में अपनी एक्टिविटीज के लिए वेनेजुएला को एक ऑपरेटिंग बेस के तौर पर इस्तेमाल करता है, जिसे वह क्यूबा से अधिक सुरक्षित मानता है, क्योंकि क्यूबा फ्लोरिडा से सिर्फ 90 मील दूर है, जबकि वेनेजुएला ज्यादा दूर है। क्यूबा, जो रूस के बहुत काम का है, सरकार को चलाने और उसे सत्ता में बनाए रखने के लिए सस्ते वेनेजुएला के तेल पर निर्भर है। रूस भी चाहता है कि यह जारी रहे। यह मंजूर नहीं है। चीन वेनेजुएला के तेल तक अधिक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहा है। फिलहाल, वह वेनेजुएला के तेल एक्सपोर्ट का लगभग 80 फीसदी खरीदता है और शायद तेल इंफ्रास्ट्रक्चर में बहुत ज्यादा शामिल होने पर विचार करेगा, क्योंकि वेनेजुएला के तेल भांडार दुनिया में सबसे बड़े हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अर्थव्यवस्था मजबूत है, जो किसी भी मौजूदा राष्ट्रपति के लिए अच्छी बात है, लेकिन मेरा मानना है कि उन्होंने दुनिया भर में अमेरिका के हितों को बहुत नुकसान पहुंचाया है। मुझे उम्मीद है कि उस नुकसान की भरपाई की जा सकती है, हालांकि अभी तीन साल बाकी हैं।

जॉन बोल्टन ने डोनाल्ड ट्रंप के तीसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति बनने और इसके लिए अमेरिकी संविधान बदलने के विचार पर कहा,श्मुझे लगता है कि ट्रंप ने मूल रूप से यह विचार छोड़ दिया है। मुझे नहीं लगता कि वह संविधान बदल सकते हैं, इसमें बहुत सारे कदम शामिल हैं। तीन साल में ऐसा करना संभव नहीं है। मुझे यह भी लगता है कि उन्होंने धीरे–धीरे और सार्वजनिक रूप से यह मान लिया है कि जेडी वेंस उनके उत्तराधिकारी होंगे। अमेरिका समर्थित रूस–यूक्रेन शांति योजना पर कहा जॉन बोल्टन ने कहा कि मुझे लगता है कि रूसियों ने इस मामले में, खासकर यूक्रेन के बारे में ट्रंप को बहुत चतुराई से मात दी है और ऐसा लगता नहीं है कि वहां कोई ऐसा समझौता होगा जिसे यूक्रेनी लोग मान सकें। मेरा अनुमान है कि जैसा कि उन्होंने पिछले एक साल में कई बार किया है, ट्रंप अंततः रूस और यूक्रेन के बीच समझौता कराने के प्रयास से पीछे हट जाएंगे। उनका असली लक्ष्य नोबेल शांति पुरस्कार है, लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच किसी समझौते के लिए उन्हें यह पुरस्कार इतनी जल्दी नहीं मिलने वाला है, क्योंकि दोनों पक्ष एक–दूसरे से बहुत दूर हैं।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आलोचकों का कहना है कि